



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 230]
No. 230]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 12, 1991/चैत्र 22, 1913
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 12, 1991/CHAITRA 22, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
(केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड)

प्रधिसूचना
नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1991
आय-कर

का.प्र. 258 (अ) :- केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (आठवीं संशोधन) नियम, 1991 है।
2. आय-कर नियम, 1962 में,-

(क) नियम 12 के उप नियम (1) में "धारा 139" शब्द और अंकों के बाद निम्नलिखित शब्द, अंक और टोपक संस्थापित किए जाएंगे और 1 अप्रैल, 1989 के प्रभाव से अस्त-स्वापित किए गए समझे जाएंगे, अर्थात् :-

"या धारा 142 की उपधारा (1) के खंड (i) ;

(ख) परिशिष्ट -11 में, प्रकरण संख्यांक 2 और 3 के स्थान पर 15 मई, 1991 के प्रभाव में निम्नलिखित प्रारूप रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“प्रश्न सं. 2”

आप की विवरणी [नियम 12 (1) (ख) (i) देखिए]
(कंपनियों और धारा 11 के अधीन छूट का दावा करने वालों से भिन्न)
निर्धारितियों के लिए जिनका कुल आय के अन्तर्गत “कारबार या वृत्ति के साथ और अभिलाष” भी हैं]

रसीद सं.

तारीख

(कृपया इस प्रश्न को भरने से पहले संलग्न टिप्पण ध्यानपूर्वक पढ़ें)

1. मूल/संशोधित/धारा 142 (1) (i)/148/237 के अधीन

2. निर्धारण वर्ष 19

3. यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी फाइल करने का रसीद संख्यांक और तारीख

4. स्थायी लेखा संख्यांक/जी.आई. आर. सं.

19

5. नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट अक्षरों में)

पार्स/सर्किल/रेंज

6. प्राप्ति

7. निवास प्राप्ति

8. कार्यालय का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

9. निवास का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

टेलीफोन

पिन

टेलीफोन

पिन

10. कृपया लिखिए :

(क) क्या आप भारत के नागरिक हैं ?

हां/नहीं

(ख) क्या आप भारतीय उद्भव के व्यक्ति हैं ?

हां/नहीं

(ग) क्या आप अनिवासी भारतीय हैं जिनके मामले में आप के किसी भाग पर अध्याय 12क के उपबंधों के अनुसार कर लगाया जाएगा ?

हां/नहीं

(यदि हां तो पृथक पन्ने पर ब्योरा दें)

(घ) क्या हिन्दू अधिष्ठात कुटुम्ब में कम से कम एक सदस्य ऐसा है जिसकी इस निर्धारण वर्ष के लिए कुल आय करावेय है ?

हां/नहीं

(ङ) क्या यह आपका पहला निर्धारण है ?

हां/नहीं

(च) क्या आपका धन-कर के लिए निर्धारण किया गया है ?

हां/नहीं

(छ) क्या आपने किसी बोहरे कराधान से राहत का दावा किया है ?

हां/नहीं

(i) विदेशों से करार के अधीन

हां/नहीं

(ii) उन देशों के बारे में जिनके साथ कोई करार नहीं है देश का नाम-----

(ज) क्या इस अधिनियम या अन्य विधि के अधीन लेखाओं की संपरीक्षा अपेक्षित है ?

हां/नहीं

यदि हां तो क्या रिपोर्ट संलग्न है ?

हां/नहीं

11. फर्म के मामले में, प्रश्न सं. 11/11क/12 प्रस्तुत करने को रसीद संख्यांक और तारीख (जो लागू न हो उसे काट दीजिए).....

भाग-1 आय जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों को आय भी है, जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध कृषि आय की संगणना

क. वेतन

सरकारी

हां/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. वेतन (सभी अंकों सहित)

2. बटावए धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त करते

(क)

र.

(ख)

र.

(ग)

र.

र.

3. समायोजन का योग			
4. उपर्युक्त 1 ± 3 में समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष	शुद्ध लाभ/हानि		र.
5. अंतिम/संशोधित फर्म (फर्मों) के लाभ/हानि में अंश			र.
6. समायोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
7. समायोजनों का योग	र.	र.	र.
8. उपर्युक्त 5 ± 7 में समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष	शुद्ध लाभ/हानि		र.
9. अंतिम/संशोधित फर्म/व्यक्ति संयम/व्यक्ति निकाय के लाभ या हानि में अंश	र.	र.	र.
	र.	र.	योग र.
10. समायोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
11. समायोजनों का योग	र.	र.	र.
12. उपर्युक्त 9 ± 11 में समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष	शुद्ध लाभ/हानि		र.
13. कारबार या वृत्ति से प्रभावी आय (सद्वृत्ति के कारबार से भिन्न) (अर्थात् 4, 8 और 12 का परिणाम)			र.
14. सद्वृत्ति का कारबार लाभ-हानि खाते के अनुसार शुद्ध लाभ/हानि			र.
15. समायोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
	र.	र.	र.
16. समायोजनों का योग	र.	र.	र.
17. सद्वृत्ति के कारबार से प्रभावी आय (14 ± 16)	शुद्ध लाभ/हानि		र.
18. "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" शीर्ष के अधीन प्रभावी आय (13 + 17)			र.

घ. पूंजी अभिलाभ

	अल्पकालिक भास्तिर्या	दीर्घकालिक भास्तिर्या
1. अंतरित भास्ति की विशिष्टियां		
2. अर्जन की तारीख		
3. अन्तरण की तारीख		
4. अंतरण से पूर्व जितने मास भास्ति धारित की गई, उसकी संख्या		
5. अंतरण का तंत्र		
6. प्रतिफल का पूरा मूल्य	र.	र.

7. कटौतियाँ

(i) अर्जन की लागत	रु.	रु.	रु.	रु.
(ii) युध्दर की लागत	रु.	रु.	रु.	रु.
(iii) अनवरण की लागत	रु.	रु.	रु.	रु.
8 7 की कटौतियों का योग	रु.	रु.	रु.	रु.
9. प्रतिशेष (6-8)	रु.	रु.	रु.	रु.
10. अन्य कटौतियाँ घटाए	रु.	रु.	रु.	रु.
11. प्रतिशेष (9-10)	रु.	रु.	रु.	रु.
वह रुकन जो पूर्व अभिलाभ समझा गई है [धारा 50 के अर्थान से भिन्न] [कृपया विनिर्दिष्ट करें]				
12. जोड़िए कटौती कीजिए :				
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
(क)	रु.	रु.	रु.	रु.
(ख)	रु.	रु.	रु.	रु.
13. योग [12 (क) + 12 (ख)]	रु.	रु.	रु.	रु.
14. योग (11 + 13)	रु.	रु.	रु.	रु.
15. धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ				रु.
16. "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन प्रभावी आय :	15/9 तक	16/9 से 15/12 तक	16/12 से 31/3 तक	
धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूंजी				
अभिलाभ	रु.	रु.	रु.	रु.
अन्य अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ	रु.	रु.	रु.	रु.
दीर्घ कालिक पूंजी अभिलाभ	रु.	रु.	रु.	रु.
योग	रु.	रु.	रु.	सकल योग रु.

क. अन्य स्रोतों से आय

1. (क) लाभांश	रु.			
(ख) व्याज	रु.			
(ग) लाटरी वगैरह पहेली दौड़ आदि से जीत	रु.			
(घ) मशीनरी, संयंत्र, भवन आदि से भाटक आय	रु.			
(ङ) अन्य	रु.			

2. 1 (क) से 1 (ङ) का योग

3. घटाए : कटौतियाँ (कृपया विनिर्दिष्ट करें)

अवशयण	रु.
	रु.
	रु.

4. 3. की कटौतियों का योग

5. "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभावी आय (2-4)

रु.
रु.

ब. पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से अग्रणीत अनामेजित हानियां या भत्ते

1. आठवां सातवां छठा	पांचवां चौथा तीसरा दूसरा पहला	बालू वर्ष की आय के प्रति मूजरा की जाने वाली रकम (रुपया)	क्या अवधारित है या अंतिम विवरणी के अनुसार है, उपर्वागत करें	क्या वहीं कारबार बालू है, उपर्वागत करें (होनाई)
---------------------	-------------------------------	---	---	---

क. निर्धारण वर्ष
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)

ख. कारबार हानि
i. सट्टे से

ii. सट्टे से भिन्न

ग. अवशेषण

घ. विनिधान लोक

ङ. कोई अन्य हानि/भत्ता
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)

2. आठवें पूर्ववर्ती निर्धारण वर्ष से पहले अवशेषण

नि. वर्ष

रकम (रुपया)

छ. कुल आय का विवरण

1. (क) बेतन	(मद क-8)र.
(ख) गृह सम्पत्ति से आय	(मद ख-9)र.
(ग) कारबार या दृष्टि के लाभ और अभिलाष	(मद ग-18)र.
(घ) पूंजी अभिलाष	(मद घ-16)र.
(ङ) अन्य स्रोतों से आय	(मद ङ-5)र.

2. कुल (क से ङ तक)

3. बटाइए : पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से अग्रणीत अनामेजित हानियां या भत्ते

1. क.ख (i)ख(ii)ग.

घङ 2. (मद-ब)र.

4. सकल कुल आय (2-3)

5. बटाइए : प्रत्येक 6 क के अधीन कटौतियां
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)

सकल रकम अग्रणीत रकम कटौती योग्य रकम
(क) (रुपया) (ख) (रुपया) (ग) (रुपया)

कुल

(ग) का योग

6. कुल आय (4-5)

रु.

7. कुल आय (शब्दों में) वस रुपये के निम्नतम गुणज तक पूर्णांकित
(शब्दों में)

लाख

हजार

सैकड़े

पचाइस

रु.

8. शुद्ध कृषि आय वर के प्रयोजनों के लिए

रु.

9. सब क से ऊ तक से सम्मिलित आय की रकम जो पति या पत्नी/प्रवचन सं/पुत्र/पुत्र की पत्नी/पुत्र का/अवयव सं/पुत्र या कि न/अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के संगम को उद्धृत होने वाली आय है।

रु.

10. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेदारी

11. सब क से ऊ तक से सम्मिलित आय जिस पर विशेष वर से कर प्रभाव है

रु.

भाग 2. करों का विवरण

1. कुल आय पर कर

(क) विशेष दरों से

रु.

(ख) सामान्य दरों से

रु.

योग

रु.

2. घटाए : (क) धारा 88 और 88क के अधीन रिबेट :

(कृपया सब विनिर्दिष्ट करें)	सकल रकम (रुपया)	अर्हक रकम (रुपया)	कर रिबेट अर्थात् अर्हक रकम का 20 प्रतिशत (रुपया)
-----------------------------	--------------------	----------------------	--

(i) धारा 88 के अधीन

(i) योग

(ii) धारा 88क के अधीन

(ii) योग

योग (रुपया)

(iii) [अर्थात् (i) + (ii)]

(ख) आय-कर की औसत दर से अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यक्ति निकाय से शेयर की बाबत रिबेट

रु.

(ग) धारा 89(1) के अधीन राहत

रु. योग

रु.

3. अतिशेष (1-2)

रु.

4. जोड़िए :

(क) बिलंब से विवरणी फाइल करने पर ब्याज

रु.

(ख) अग्रिम कर के संवाय में व्यक्तिगत के लिए ब्याज

रु.

(ग) अग्रिम कर के आस्यगन के लिए ब्याज

रु.

योग

रु.

5. संवेय कुल कर और ब्याज (3+4)

रु.

6. पूर्ण संवेय कर :

(क) अग्रिम कर की किस्तें (बालान संलग्न कीजिए)

	पहली	दूसरी	तीसरी	योग
रकम (रुपये)				
तारीख				
बैंक का नाम				
शाखा				

(ख) निम्नलिखित से ओत पर कटौती किया गया/संगृहीत कर (प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए)

- (क) वेतन रु.
 (ख) भ्याज रु.
 (ग) सामांज रु.
 (घ) कोई अन्य आय (रूपया विनिर्दिष्ट कीजिए) रु.
 (ङ) योग [(क) से (घ)] रु.

रकम

7. स्वतः निर्धारण पर कर (बालान संलग्न कीजिए)

संबाय की तारीख

आय-कर	उपयुक्त 4 से भ्याज	योग
19		
 रु. रु.
19		

8. अन्य पूर्व संबत कर, यदि कोई हो (रूपया विनिर्दिष्ट करें और संबत संलग्न करें)

9. योग (6 से 8)

10. संदेय कर/भ्याज या देय प्रतिदाय (अर्थात् 5 और 9 का अन्तर)

भाग 3. कारबार या वृत्ति से सुसंगत जानकारी

1 सामान्य विनिर्दिष्टियाँ :

(क) जिस नाम से कारबार/वृत्ति चलाई जाती है

(ख) शाखा (शाखाओं) का नाम और पता/पते

(ग) कारबार या वृत्ति की प्रकृति

(घ) लेखा पद्धति : वाणिज्यिक/मकद/मिश्रित

(ङ) स्टॉक मूल्यांकन पद्धति

2. फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि लिकाय के मामले में रूपया निम्नलिखित अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत कीजिए :

क्र. सं.	भागीदार/सदस्य का नाम	लाभ के अंश का अनुपात	भागीदार/सदस्य को संदेय भ्याज	भागीदार/सदस्य को संबत वारिश्मिक	भागीदार/सदस्य की संबत कमीशन/बोनस
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)

3. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाष से आय की संगणना में कटौती की जाने वाली रकम

क्र. सं.	विशिष्टियाँ	रकम (रु.)
(क) व्यवस्थापन	
(ख)	
(ग)	
(घ)	
(ङ)	
(च)	
(छ)	
(ज)	
(झ)	
(झ)	
(ट)	
(ड)	

भाग 4. जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

1.	आय की प्रकृति	रकम (रु.)	दावे के लिए कारण
(क)			
(ख)			
(ग)			
(घ)			

भाग 5—संलग्न धरतावेजों/विवरणों की सूची

2.

- (क)
(ख)
(ग)
(घ)
(ङ)
(च)
(छ)
(ज)
(झ)

सत्यापन

मैं (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) जो * का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि इस विवरण और इससे संलग्न उपबंधों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उनमें दर्शाए गए कुल आय की रकम और अन्य विशिष्टियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19—से सुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है, और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभाव्य हैं।

* मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति को, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, *उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति के, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई आय आय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभावित है।

*मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरणी (पदनाम) की हैसियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

स्थान

तारीख

** (नाम और हस्ताक्षर)

* ओ लागू न हो उसे काट दीजिए।

** घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को भ्रान्त समझान कर लेना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के उपबंध और विवरण सही और सही प्रकार से पूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपबंध या विवरणों में कोई मिथ्याकथन करेगा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन के लिए वायी होगा और दोषसिद्धिपर उक्त धारा के अधीन कठिन कारावास और जुमनि से दंडनीय होगा।

आयकर विभाग

आ.ईटी.एस. 2

(निर्धारितता द्वारा अलग कर लिया जाए और रख लिया जाए)

टिप्पण

प्ररूप सं. 2

सामान्य

[आय-कर अधिनियम, 1961/नियम 12(1)(ख)(i)]

1. प्ररूप सं. 2 (कंपनियों और धारा 11 के अधीन छूट का दावा करने वालों से भिन्न) ऐसे निर्धारितियों के लिए है जिनकी कुल आय के अंतर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" भी हैं।
2. सभी भाग और स्तम्भ इसके नीचे उपबंधित रीति से भरे जाने चाहिए। यदि कोई भाग या स्तम्भ लागू न हो तो, कृपया "लागू नहीं होता" उल्लिखित करें और कोई अन्य चिह्न या प्रतीक अंकित न करें। कृपया "अभिलेख के अनुसार" वाक्यांश और इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग न करें।
3. इन टिप्पणों में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए वे आय की विवरणी से संबंधित पृष्ठों पर तत्स्थानी मद संख्यांक को निर्दिष्ट करते हैं।
4. उस दशा में जब आय के किसी शीर्ष के अंतर्गत दिया गया स्थान अपर्याप्त हो, तब प्रत्येक ऐसे आय के स्रोत की बाबत संगणना, विवरणी प्ररूप में सुसंगत शीर्ष के अंतर्गत उस प्रयोजन के लिए उपदिष्ट स्तंभों का प्रयोग करते हुए, पृथक पन्ने पर दें। ऐसी संगणना की कुल राशि, विवरणी प्ररूप में सुसंगत शीर्ष के अंतर्गत दिए गए स्तम्भों में उपदिष्ट की जानी चाहिए। इसी प्रकार, इस प्ररूप में मांगी गई अन्य कोई जानकारी जो कि स्थान की कमी के कारण पूर्णरूपेण न दी जा सके, पृथक पन्ने पर दी जा सकती है।
5. इन टिप्पणों में धाराओं और नियम के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आय-कर अधिनियम, 1961 और आय-कर नियम, 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1991-92 के लिए और पहली बार फाइल किए जाने के लिए है तो यह मूल विवरणी है। यह उपदिष्ट करने के लिए "मूल" को छोड़ दें और बाकी काट दें, जैसे: मूल/इसी प्रकार विवरणी धारा 42(1)(i) के अधीन जारी की गई सूचना के प्रत्युत्तर में फाइल की जा रही है यह उपदिष्ट करने के लिए "मूल" और धारा 142(1)(i) के अधीन जैसा है छोड़ दें और बाकी काट दें।
2. वह निर्धारण वर्ष उपदिष्ट करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष वित्तीय वर्ष के ठीक बाव के बारह मास की अवधि का है। इस प्रकार 1-4-1990 से 31-3-1991 की अवधि के लिए निर्धारण वर्ष 1991-92 होगा।

3. यदि यह संशोधित विवरणी है तो, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख । उदाहरणार्थ : यदि मूल विवरणी 15-6-1991 को फाइल की जाती है और इसके लिए विभाग ने रसीद सं. 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपवर्णित किया जाएगा :

4	2	1	0	1	5	06	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---

4. करदाना को दिए गए स्थायी लेखा संख्या और वार्ड, सिकिल, रेंज का यहां हवाला दिया जाएगा। यदि यह इस प्रकार अभी तक नहीं दिया गया तो जी. आई. आर. संख्यांक यदि कोई हो, लिखें। यदि दोनों दिए नहीं गए हैं तो खानों की प्रथम पंक्ति में "नहीं दिया गया" लिखें और खानों की निचली पंक्ति में आय-कर वार्ड/सिकिल/रेंज जहां निर्धारण हुआ है या होना है का उल्लेख आय कर के जनसंपर्क अधिकारी या प्राप्ति काउंटर से अभिनिर्दिष्ट करने के बाद करें।
5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। जहां लागू हो उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात् एक खाना छोड़ दें। उदाहरणार्थ, सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें :

श	र्मा	स	त्य	प्र	का	श
---	------	---	-----	-----	----	---

6. प्रास्थिति उपवर्णित करने के लिए कृपया निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए :

(क) व्यक्ति	01
(ख) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)	02
(ग) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्व वर्ष में 22,000 रु. से अधिक है	03
(घ) अरजिस्ट्रीकृत फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म (उससे भिन्न जो वृत्ति में लगी है)	05
(च) रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है।	06
(छ) व्यक्तियों का संगम	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) व्यष्टि निकाय	09
(झ) कृत्रिम विधिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी सोसाइटी	11
(ठ) स्थानीय प्राधिकारी	16

उदाहरण : उस हिंदू अविभक्त कुटुम्ब की दशा में जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय 22,000 रु. से अधिक है, सही कोड नंबर 03 होगा।

7. नियाम प्रास्थिति उपवर्णित करने के लिए, निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए:

निवासी 01
अनिवासी 02
निवासी किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं 03

सुसंगत उपबंध धारा 6 में है।

8. और 9. अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टेलीफोन नंबर सहित यदि कोई हो, पूरा पता दें।

10. जो लागू न हो, उसे काट दें।

11. कृपया दी गई खाली जगह में प्ररूप सं. 11/11क/12, जैसी भी स्थिति हो, की रसीद सं. और फाइल करने की तारीख का उल्लेख कीजिए।

पृष्ठ—2 भाग I

क. बेटन

नियोजकों के नाम और पते दें। यदि आप सरकारी नियोजन में हैं तो "नहीं" काट दें। किसी अन्य दशा में "हां" काट दें।

यहां निर्धारण वर्ष के संबंध में जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, निजोयक से प्राप्त/प्राप्य सकल बेटन उपवर्णित करें। [उदाहरणार्थ, बेटन जिसके अन्तर्गत बेटन की बकाया या बेटन अग्रिम भी है, उस छूट्टी के बखले में जिसका उसने उपयोग नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, बोनस, भजदूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संराशित मूल्य है), कोई वार्षिकी

या उपादान और मकान किराया और परिलब्धियों का मूल्य और वेतन के बदले में लाभ को छोड़ कर सभी अन्य नकद भत्ते । एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्य वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें। सुसंगत उपबंध आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 15 और धारा 17 में । किसी व्यष्टि की दशा में, यदि कोई ऐसी रकम उपदान के रूप में चालू वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो पृथक् विवरण संलग्न किया जाएगा।

2. यहां उस परिमाण तक भत्ते उपदर्शित करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त करें।
3. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 1—2)
4. परिलब्धियों का मूल्य और वेतन के बदले में (लाभ उनसे भिन्न जिनका वर्णन स्तम्भ 2 में है) को जोड़ें। प्रत्येक मद को उसके धनीय मूल्य सहित दिए गए स्तम्भों में अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पृथक् पन्ना संलग्न करें।

नियोजक द्वारा प्रदत्त परिलब्धियों निम्नलिखित हो सकती हैं :

- (i) मुफ्त या रियायती वास सुविधा—धारा 17(2)(i) और (ii)
- (ii) मुफ्त या रियायती फायदे/सुख-सुविधाएं—धारा 17(2)(iii)
 - (क) प्रबहण—नियम 3(ग)
 - (ख) गैस, बिजली, जल—नियम 3 (घ)
 - (ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं
 - (घ) वैयक्तिक यात्रा
 - (ङ.) अन्य कोई मद (ब्योरे दीजिए)
- (iii) निर्धारित की बाध्यताओं की बाबत नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें बालकों की शिक्षा, आय-कर आदि सम्मिलित हैं) और नियोजक द्वारा जीवन बीमा या वार्षिकी के लिए संबंध राशियां—धारा 17 (2) (iv) और (v)

5. यहां मद 3 और 4 की राशि दीजिए। कृपया वेतन प्रमाण पत्र संलग्न करें।
6. यहां वेतन आय से अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें, उदाहरणार्थ :
 - मानक कटौती : वेतन के 33-1/3 प्रतिशत के बराबर राशि या बारह हजार रुपये, इनमें से जो भी कम हो, "वेतन" शीर्ष के अधीन आय की संगणना में अनुज्ञात है।
 - सत्कार भत्ता-धारा 16 (ii)
 - नियोजन पर कर-धारा 16 (iii)
7. यहां सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।
8. यहां "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभाष्य आय उपदर्शित कीजिए।
 - ख. गृह संपत्ति से आय
1. कृपया संपत्ति (संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे डाक पता/पते दीजिए। यदि निर्धारित एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।
2. यह उपदर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभोग में है या नहीं, यथास्थिति, "हां" या "नहीं" शब्द को काट दीजिए।
3. यहां वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्य वार्षिक किराया, इनमें से जो भी अधिक हो, उपदर्शित करें। यदि आप एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहां उपदर्शित स्तम्भों को प्रयोग करते हुए कृपया ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृथक् संगणना है।
4. यहां धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए, जैसे :
 - (क) नगर पालिका कर, निर्धारित कटौती का तभी दावा करें जब है (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएदार द्वारा नहीं, और (ii) वर्ष के दौरान संवत् किए गए हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।
 - (ख) नव-संनिर्माण भत्ता/सुसंगत उपबंध धारा 23 (i) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।

(ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभोग में स्वयं उसके निवास के प्रयत्नों के लिए हैं तो वह संपत्ति जिसके बारे में निर्धारित है दावा करता है कि उनका धारा 23 (2) के उपबन्धों के अनुसार वार्षिक मूल्य कुछ नहीं माना जाए, छिद्रिष्ट की जाएगी। बटौती की प्रत्येक मद, उसके अधीन दावा की गई कटौती-योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करे।

5. यहां धारा 23 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
6. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 3-5)
7. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौतियां उपदर्शित करें (प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें); जैसे :
 - (1) मरम्मत-निर्धारित वार्षिक मूल्य के पट्टांश का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है—धारा 24 (1) (i)
 - (2) बीमा-धारा 24 (1) (ii)
 - (3) वार्षिक प्रभार-धारा 24 (1) (vi)
 - (4) भूमि का किराया—धारा 24 (1) (v)
 - (5) उधार ली गई पूंजी पर ब्याज-धारा 24 (1) (vi)
 - (6) भू-राजस्व धारा—24 (1) (vii)
 - (7) संग्रहण प्रभार (अनुज्ञेय परिमीमा, वास्तविक व्यय या वार्षिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत इनमें जो भी कम ही है) धारा 24 (1) (viii)
 - (8) रिक्त रहने का भत्ता—धारा 24 (1) (ix)
 - (9) किराया जो वसूल नहीं किया जा सकता—धारा 24 (1) (x)
8. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
9. यहां "गृह संपत्ति से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाव आय (अर्थात् 6-8) उपदर्शित की जानी है।

पृष्ठ-3

ग. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ

1. कारबार या वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न)
कृपया आय की संगणना में संबंधित निम्नलिखित महत्वपूर्ण दस्तावेजों/जानकारी विवरणों के साथ प्रस्तुत कीजिए :
1. यदि नियमित लेखा-पुस्तकें रखी जाती हैं तो निम्नलिखित की प्रतियां संलग्न कीजिए :
 - (क) विनिर्माण लेखा, व्यापार लेखा, लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा अथवा ऐसा ही कोई अन्य लेखा और तुलन-पत्र।
 - (ख) यदि—
 - (1) कोई सांपत्तिक कारबार या वृत्ति है तो स्वत्वधारी का वैयक्तिक लेखा;
 - (2) कोई फर्म; व्यक्ति-संगम या व्यष्टि निकाय है तो भागीदारों या सदस्यों के उनके वैयक्तिक लेखा;
 - (ग) जहां निर्धारित के लेखाओं की संपरीक्षा की गई है, वहां संपरीक्षित लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र और संपरीक्षक की रिपोर्ट और लागत संपरीक्षा रिपोर्ट (यदि लागू हो) की प्रतियां।
2. यदि नियमित लेखा-पुस्तकें नहीं रखी जाती ये तो एक विवरण संलग्न कीजिए जिसमें कारबार या वृत्ति के व्यापारावर्त या सकल प्राप्तियों, सकल लाभ, व्यय और कारबार और वृत्ति का शुद्ध लाभ की रकमें तथा वे आधार जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपदर्शित हों और जिसमें कुल अन्यान्य ऋणियों, विविध लेनदारों की रकमों, व्यापार स्टॉक का मूल और नकद अतिशेष की स्थिति, जैसी कि वह पूर्व वर्ष के अंत में थी, बताई गई हो।
3. (क) (1) यदि लेखाओं की संपरीक्षा धारा 44-कख के अधीन की जाती है तो अपेक्षित विनिर्दिष्टों सहित ऐसी संपरीक्षा रिपोर्ट।
 - (2) यदि निर्धारित ने निर्यात कारबार के लिए प्रतिधारित लाभ की वास्तव धारा 88 जजग के अधीन कटौती का दावा किया है तो अपेक्षित विनिर्दिष्टों सहित कटौतियों से संबंधित लेखापाल की रिपोर्ट
 - (3) यदि निर्धारित ने धारा 32-कख या 33-कख या 80जजक या 80 जजघ के अधीन कटौती का दावा किया है तो ऐसी कटौती/कटौतियों की वास्तव धारा 88 जजग के अधीन कटौती का दावा किया गया है, लेखापाल की रिपोर्ट (रिपोर्ट)।
- (ख) यदि धारा 44-कग, 44-ख, 44-खख और 44-खखक के उपबन्ध लागू होते हैं तो उनकी वास्तव ब्योरे दीजिए।

4. संविदा कार्य में लगे निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : यदि उम व्यक्ति द्वारा दी जाने वाली सामग्री का मूल्य, जिसके साथ संविदा की गई है या जिसके द्वारा प्रतिधारित प्रतिभूति निक्षेप की रकम को (किए गए काम के लिए देय संदाय में से) दक्षित सकल प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है, तो कृपया सामग्री का मूल्य और प्रतिभूति निक्षेप की रकम को दक्षित करने वाला विवरण संलग्न करें।
5. चलचित्र फिल्मों के निर्माताओं द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : कृपया यह उपदर्शित करें कि क्या चलचित्र फिल्मों के निर्माण में लगे व्यक्तियों को संदाय का कथन धारा 285-ख के अधीन संबद्ध निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है।
6. किसी व्यापारी, दलाल, अभिकर्ता या स्टोक या वस्तु विनिमय के प्रबन्ध से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, उन सभी व्यक्तियों के नाम और पतों का ब्योरा प्रस्तुत करेगा जिन्हें उमने या एक्सचेंज ने पूर्व वर्ष में कोई राशि या संकलित राशियां संदत्त की हैं :
 - (क) "अन्तर" के रूप में 2,000 रुपये से अधिक;
 - (ख) आस्तियों के अन्तरण के संबंध में 10,000 रुपये से या अधिक, चाहे वे आस्तियों के विक्रय के रूप में हों, विनिमय के रूप में हों या किसी और रूप में, या जिसकी ओर से मा जिससे उसने या एक्सचेंज ने कोई राशि प्राप्त की है, विशिष्टियों सहित (ऐसे संदायों और प्राप्तियों की रकम, तारीख आदि)।
7. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, रायल्टी या बलाली या किसी वार्षिकी का (जो "बेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारण योग्य वार्षिकी नहीं है), और जो एक हजार रुपये से अधिक है, संदाय किया है तो पाने वालों के नाम और पते तथा संदत्त रकमों दक्षित करने हुए (संदाय की प्रकृति के अनुसार) विवरणों के साथ एक अलग कागज पर अलग अलग विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि पाने वाला कोई व्यक्ति अनिवासी है तो यह उपदर्शित किया जाना चाहिए कि क्या कर की स्रोत पर कटौती की गई है और उसे केन्द्रीय सरकार के नाम जमा कराने के लिए संदत्त किया गया है या नहीं। कृपया 10,000 रुपये से अधिक मूल्य के विक्रय और क्रय के मामलों में व्यक्तियों के नाम और सकल रकमों को अन्तर्विष्ट करने वाला विवरण भी संलग्न करें।
8. यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194-क, 194-ख, 194-बख, 194-ग, 194-घ, 194-ङ, या 195 के अधीन स्रोत पर कर की कटौती के दायित्वाधीन है तो उल्लेख कीजिए कि क्या संबंधित निर्धारण अधिकारी को विहित विवरणियां प्रस्तुत कर दी गई हैं और ऐसी विवरणी (विवरणियां) प्रस्तुत करने की तारीख (तारीखें) उद्धारित कीजिए।
लाभ और हानि लेखा के अनुसार शुद्ध लाभ/हानि

यहां कारबार वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न) से लाभ और हानि लेखा के अनुसार लाभ/हानि का उल्लेख कीजिए। जहां निर्धारिती का एक से अधिक कारबार या वृत्ति है या किसी समाप्त कर दिए गए कारबार/वृत्ति से कोई समझी जाने वाली आय या आय है वहां ऐसे प्रत्येक कारबार वृत्ति के लिए संगणना (इस उभाग में दिये गए उपा प्रका का प्रयोग करते हुए) अलग कागज पर दी जानी चाहिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

2. समायोजन :

क. कृपया ऐसी रकमों के परिषर्धन और कटौतियों को उपदर्शित कीजिए जिन्हें धारा 28 से 44-ग तक के अनुसार लाभ/हानि लेखा में समायोजित नहीं किया गया है।

ख. कृपया विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करें :

1. अवक्षयण भत्ता के संबंध में विशिष्टियां :

(क) आस्तियों के प्रत्येक ब्लाक की बाबत:

- (1) पूर्व वर्ष के आरम्भ में उन आस्तियों का वर्णन जो ब्लाक का भाग है, उनका अवलिखित मूल्य, वर्ष के दौरान खरीदी गई आस्तियों का वर्णन और लागत तथा वर्ष के दौरान बेची गई किसी आस्ति का वर्णन और विक्रय कीमत;
- (2) वर्ष के अंत में अवलिखित मूल्य;
- (3) वह दर जिस पर अवक्षयण का दावा किया गया है और अवक्षयण की रकम।

(ख) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है और वर्ष के दौरान शत-प्रतिशत अवक्षयण के लिए पात्र है। यह भी उल्लेख कीजिए कि क्या उन आस्तियों में से किसी का वर्ष के दौरान विक्रय किया गया था और यदि ऐसा है तो ऐसी प्रत्येक आस्ति की बाबत विक्रय कीमत का अलग-अलग ब्योरा दीजिए।

(ग) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लॉक का भाग है जो विद्यमान है किन्तु जिनका अवलिखित मूल्य घटा कर मूल्य कर दिया गया है क्योंकि किसी ऐसी आस्ति के अन्तरण पर जो ब्लॉक का भाग है वर्ष के दौरान प्राप्त प्रतिफल का कुल मूल्य वर्ष के दौरान खरीदी गई उस ब्लॉक की आस्ति को लागत सहित कई वर्षों के आरंभ में उक्त ब्लॉक के अवलिखित मूल्य से अधिक है।

2. विनिधान भत्ता/विनिधान निक्षेप लेखा की बाबत विनिर्दिष्टियाँ :

- (क) वर्ष के दौरान खरीदे गए ऐसे पोट या वायुयान या प्लांट या मशीनरी का ब्योरा जिसकी बाबत विनिधान भत्ते का दावा किया गया है और उसकी दर (आस्ति के अर्जन के समर्थन में सबूत भी संलग्न कीजिए)।
- (ख) विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम 1986 के अनुसार विकास बैंक में किए गए निक्षेप(निक्षेपों) का ब्योरा [धारा 32कख (1) (क)] निक्षेप [(निक्षेपों) का सबूत संलग्न कीजिए]।
- (ग) तब किए गए ऐसे पोट या वायुयान या प्लांट या मशीनरी का ब्योरा जिसकी बाबत विनिधान निक्षेप लेखा के अधीन कटौती का दावा किया गया है [धारा 32कख (1) (ख)] (वर्ष के समर्थन में सबूत संलग्न कीजिए)।
- (घ) विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम 1986 या विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम 1986 (चाय) के अनुसार निकाली गई रकम से खरीदी गई आस्तियों का ब्योरा (नई आस्ति के क्रय यथास्थिति भारतीय औद्योगिक विकास बैंक या राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकम और निकाले जाने की तारीख (तारीखें) से संबंधित सबूत संलग्न कीजिए)।
- (ङ) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकम (रकमों) में से विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम 1986 (चाय) के अनुसार उक्त वर्ष की रकम का विभाजन और निकाली गई रकम (रकमों) की तारीख (तारीखें) देने हुए ब्योरा।

3. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तम्भों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम अलग-अलग उपवर्णित कीजिए।

4. शुद्ध लाभ/हानि अर्थात् 1 और 3 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष (यहां उपवर्णित किया जाना चाहिये)।

5. रजिस्ट्रीकृत फर्म (फर्मों) के लाभ/हानि में अंश: स्थान एक फर्म से प्राप्त होने वाले अंश को उपवर्णित करने के लिए है। यदि निर्धारित एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत फर्मों में भागीदार है तो यहां उपवर्णित इन्हीं स्तम्भों का उपयोग करते हुए रजिस्ट्रीकृत फर्मों के लाभ/हानि में ऐसे अंश का अलग-अलग उल्लेख कीजिये और उसे विवरणी के साथ लगाइए। कृपया फर्म (फर्मों) में वैयक्तिक लेखा (लेखाओं) की प्रति (प्रतियों) को संलग्न कीजिए।

6. समायोजन: "जोड़िए" और "कटौती कीजिए" स्तम्भों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारित ऊपर 5 में वर्णित रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वाधीन है उसका हकदार है और जिनका ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।

7. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तम्भों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम अलग-अलग उपवर्णित कीजिए।

8. यहां शुद्ध लाभ हानि (अर्थात् 5 और 7 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) उपवर्णित किया जाना चाहिये।

9. 1. कृपया यहां दिए गए स्थान में अलग-अलग अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ या हानि में अंश का उल्लेख कीजिए और इन सभी का कुल जोड़ बाहरी स्तम्भ में ले जाएं (जो लागू न हो उसे काट दीजिए) यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग कागज का उपयोग कीजिये और उसे विवरणी के साथ लगाइए। जहां ऐसी आय यहां निर्धारित की आय में सम्मिलित न की गई हो जैसे धारा 86(5) के पन्थुक के खंड (क) के अन्तर्गत आने वाली आय तो उक्त ब्योरा और सम्मिलित न किए जाने का कारण एक अलग पक्ष पर उल्लिखित कर विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि उक्त अंश कुल आय में केवल दर के प्रयोजनों के लिए सम्मिलित किए जाने के लिए या अन्यथा है। यदि हानि हो तो कृपया धारा 77(2) के अंतर्गत आने वाली हानि को अपवर्जित कीजिए।

2. निर्धारित की विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करने चाहिये:—

(i) यदि किसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म का भागीदार या किसी व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय का सदस्य हो तो ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि/निकाय में उक्त/उसके वैयक्तिक लेखा (लेखों),

(ii) समाप्त किए जाने वाले कारबार वृत्ति से संबंधित पूरा ब्योरा अलग कागज पर,

- (iii) धारा 32क/32ख/33कख/80जजध (5) के अधीन उसकी आय समझी जाने वाली रकम (रकमों) का ब्यौरा,
- (iv) यदि किसी निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान धारा 2(24)(x) में विनिर्दिष्ट किसी निधि के अभिदाय के रूप में किसी कर्मचारी में ऐसी आय प्राप्त की है जो "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिदाय" शीर्ष या "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन कर से प्रभाय है तो ऐसी आय और इसके साथ-साथ धारा 36(1)(v)(क) में उल्लिखित नियत तारीख को या उसके पूर्व सुसंगत निधियों में कर्मचारी के लेखा में निर्धारिती द्वारा जमा की गई राशियों का ब्यौरा।

III. यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो ब्यौरा अलग कागज पर दीजिए और उसे विवरणी के साथ लगाइये।

10. "जोड़िए" और "कटौती कीजिए" स्तम्भों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारिती ऊपर 9 में दर्शित अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वधीन है/उसका हकदार है और जिनका ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
11. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तम्भों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम को अलग-अलग उपदर्शित कीजिए।
12. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 9 और 11 के समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिए।
13. 4, 8 और 12 का परिणाम यहां उपदर्शित किया जाए, [अर्थात् "कारबार या वृत्ति से पारिणामिक आय या हानि" (सट्टा कारबार से भिन्न)]।
14. सट्टे के कारबार से आय की रकम का उल्लेख कीजिए। यदि यह रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के अंश को प्रकट करती है तो उक्त सट्टा का से उल्लेख किया जाना चाहिए और ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय का पूर्ण ब्यौरा जैसे भागीदारों/सदस्यों के नाम, उनके लाभ बांटने के अनुपात और ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय में निर्धारिती के वैयक्तिक खाते की प्रति भी प्रस्तुत की जानी चाहिए और विवरणी के साथ लगाई जानी चाहिए।
15. समायोजन: कृपया उन रकमों के परिवर्धन और कटौतियों को उपदर्शित कीजिए जिन्हें या तो लाभ और हानि खाते में समायोजित नहीं किया गया है, या यदि समायोजित किया गया है तो वे अनुज्ञेय रकमों से अधिक या कम है। उन परिवर्धनों कटौतियों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए जिनकी बाबत निर्धारिती रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वधीन है/उसका हकदार है और जिसका ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
16. समायोजनों की कुल रकम जोड़िए और कटौती कीजिए स्तम्भों के नीचे अलग-अलग उपदर्शित की जानी चाहिए।
17. यहां सट्टे के कारबार से प्रभाय आय (अर्थात् 14 और 16 का समायोजन प्रतिशेष) उपदर्शित कीजिए।
18. "कारबार या वृत्ति से लाभ और अभिलाभ शीर्ष के अधीन प्रभाय आय" (अर्थात् 13+17) यहां उपदर्शित कीजिए। यदि 17 की रकम हानि की है तो उसे 13 के प्रति समायोजित नहीं किया जा सकता। ऐसी दशा में 13 की रकम 18 के सामने पुनः उपदर्शित की जानी चाहिए।

पृष्ठ 4

घ. पूंजी अभिलाभ

1. अन्तरित आस्तियों का विवरण दें। अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक स्तम्भ दिए गए हैं। तदनुसार अन्तरित आस्तियों की विनिर्दिष्ट संबंधित स्तम्भों में दी जाए। यदि अन्तरण में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक आस्तियों अन्तर्बलित हों तो पृथक संगणना, पन्ना, दिए गए फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें।
2. यहां निर्धारिती द्वारा आस्ति के अर्जन की तारीख उपदर्शित कीजिए।
3. यहां वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अन्तरित की गई है।
4. कृपया निर्धारिती द्वारा अन्तरण से पूर्व आस्ति धारण की अवधि मासों में उपदर्शित कीजिए।
5. कृपया निम्नलिखित में से कौन सा अन्तरण का ढंग अन्तर्बलित है, उपदर्शित कीजिए:—
 - (i) आस्ति का विक्रय, विनियम या त्याग; या
 - (ii) उसमें किसी अधिकार का त्याग, या
 - (iii) किसी विधि के अधीन उसका अनिवार्य अर्जन, या

- (iv) उस दशा में जब कि आस्ति के स्वामी द्वारा उसे अपने द्वारा चलाए जा रहे किसी कारबार में व्यापार स्टाक में संपरिवर्तित कर दिया गया है या उसके द्वारा इस रूप में मान लिया गया है, ऐसा संपरिवर्तन या मानना; या
- (v) कोई संव्यवहार जिसमें संपत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 (1882 का 4) की धारा 53 क में निर्दिष्ट प्रकृति की किसी संपत्ति के भागिक पालन के लिए किसी स्थावर संपत्ति का कबजा लिया जाना या रखे रहना अनुज्ञात किया जाना अन्तर्बलित हो; या
- (vi) कोई संव्यवहार (चाहे किसी सहकारी सोसाइटी, कंपनी या अन्य व्यक्ति संगम में उसका सदस्य बन कर या उसमें शेयर अर्जित करके या किसी करार द्वारा या किसी समझौता द्वारा किसी अन्य ढंग से, जो भी हो) जो किसी स्थावर संपत्ति के अन्तरण का प्रभाव रखता हो या उसके उपभोग के लिए समर्थ बनाता हो।

अनिवार्य अर्जन की दशा में, कृपया अलग पन्ने पर, उस अधिनियम का, जिसके अधीन उक्त अर्जन किया गया है और साथ ही अधिसूचना की तारीख तथा संबंधित प्राधिकरण द्वारा संपत्ति के कब्जे का उल्लेख करें।

6. यहां वह सकल रकम, जो आस्ति के अन्तरण से प्राप्त की गई है प्राप्य हो, उपदर्शित की जानी है।

7. कृपया यहां उपदर्शित करें:—

(i) अर्जन की लागत: यह निर्धारित द्वारा आस्ति के अर्जन में उगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निबन्धनों के अनुसार लागत।

(ii) सुधार की लागत: "गुडविल" के संबंध में यह "शून्य" है जबकि अन्य आस्तियों के संबंध में यह आस्ति के सुधार में उगत लागत है—धारा 55(1)(ख)।

(iii) अन्तरण की लागत: यह आस्ति के अन्तरण के संबंध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)।

8. यहां 7 की कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित करें।

9. यहां अतिशेष रकम (6-8) उपदर्शित करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो उसे (—) ऋण चिह्न द्वारा उपदर्शित करें।

10. अन्य कटौतियां: यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभों के संबंध में अनुज्ञेय कटौतियां अलग-अलग उपदर्शित की जाएंगी। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन कटौती-योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अप्राप्त हो तो अलग पन्ने का प्रयोग करें। यदि किसी दीर्घकालिक पूंजी आस्ति की बाबत 9 पर अतिशेष हानि हो तो ऐसी हानि की रकम धारा 48(3) के उपबन्धों के अनुसरण में होंगी।

अनुज्ञेय कटौतियां निम्नलिखित हैं:—

I. अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ:

(i) वह रकम जो धारा 54ख(1), 54घ(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।

(ii) वह नकम जो धारा 54ख(2), 54घ(2) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

II. दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ:

(i) वह रकम जो धारा 53, 54(1), 54ख(1), 54घ(1), 54च(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।

(ii) वह रकम जो धारा 54(2), 54ख(2), 54घ(2), 54ङ(1), 54च(4) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

(iii) धारा 48(2) के अधीन।

11. कृपया यहां अतिशेष रकम (9-10) उपदर्शित करें। यदि 9 के अतिशेष का परिणाम हानि हो तो उसे यहां दोहराया जाए।

12. यहां "पूंजी अभिलाभ" शीर्ष (धारा 50 के अधीन से भिन्न) के अधीन आय समझी गई रकम उपदर्शित करें। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन सम्मिलित किए जाने योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुसंगत उपबन्ध धारा 45(2), 3(3)(4)(5), 54(2), 54ख(2), 54घ(2), 54ङ(2), 54च(4) और 54छ(2) में है।

13. यहां पूंजी अभिलाभ समझी गई कुल रकम (धारा 50 के अधीन से भिन्न) उपदर्शित की जानी है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग-अलग उपदर्शित की जाए।

14. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभों के लिए 11 और 13 के शुद्ध परिणाम अलग-अलग उपदर्शित करें।

15. यहां धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ उपदर्शित करें। उनके सुसंगत व्ययों का उल्लेख किताब पृथक् पन्ने पर करें और विवरणी के साथ संलग्न करें।
16. धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ की अवधिभार रकम (रकमें) "पूंजी अभिलाभ" शीर्ष के अर्गत अन्य अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ/हानि अन्तःस्थ स्तम्भों में और इनकी सकल रकम कुल योग में उपदर्शित करें।

ड. अन्य स्रोतों से आय :

1. (क) कृपया लाभांश की सकल रकम उल्लिखित करें। निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक् पन्ना संलग्न करें:—

- (i) कंपनी का नाम;
- (ii) शेयरों की संख्या;
- (iii) लाभांश की सकल रकम;
- (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

यदि निर्धारिती ने धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति की कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश समझी गई है तो कंपनी का नाम और पता, प्राप्त संदाय की प्रकृति और इस प्रकार प्राप्त राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिपत्र और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

- (ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्य ब्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्त किया गया/प्राप्य ब्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक् पन्ना संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।
- (ग) यहां लाटरी, बर्ग पहली और दीड़ आदि से हुई जीत की सकल रकम लिखें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें। यदि दो या अधिक मदें हों तो पृथक् संगणना संलग्न करें।
- (घ) यहां किराए पर दी गई मशीनरी, प्लांट या फर्नीचर से आय उपदर्शित कीजिए और भवन से ऐसी आय भी जहां उसका किराए पर देना उक्त मशीनरी, प्लांट या फर्नीचर को किराए पर देने से अपृथक्करणीय हो, यदि यह "कारबार या वृत्ति से लाभ और अभिलाभ" शीर्ष के अधीन आय-कर से प्रभार्य न हो।
- (ङ) "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभार्य अन्य आय विनिर्दिष्ट करें।

- 2. यहां सकल प्राप्तियों की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
- 3. तथीन दावा की गई कटौतियों की मदें और रकमें विनिर्दिष्ट करें। सुसंगत उपबन्ध धारा 57 में हैं।
- 4. यहां दावा की गई कटौतियों का योग उपदर्शित करें।
- 5. यहां "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय लिखें।

पृष्ठ—5

(च) पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से अग्रणीत अनामेलित हानियां या भत्ते।

1. वह निर्धारण वर्ष जिसके लिए विवरणी फाइल की जा रही है से ठीक पूर्ववर्ती आठ निर्धारण वर्षों से अग्रणीत अनामेलित हानियों या भत्तों के ब्यौरे यहां दीजिए।

यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो यहां उपदर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए अलग पन्ने पर ब्यौरे दीजिए और विवरणी के साथ लगाईए।

यदि जहां लाभ अग्रणीत हानियों/भत्तों तथा चालू अवक्षयण को अमेलित करने के लिए पर्याप्त नहीं है, सर्वोच्च न्यायालय के अद्यतन निर्णय के अधीन रहते हुए, उनकी निम्नलिखित क्रम में कटौती की जानी चाहिए:

- चालू वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय [धारा 35(1)]
- चालू अवक्षयण [धारा 32 (1)]
- अग्रणीत कारबार हानियां [धारा 72 (1)]
- अनापेक्षित परिवार नियोजन संवर्धन पूंजी व्यय [धारा 36(1)(ix)]
- अनामेलित अवक्षयण [धारा 32 (2)]
- अनामेलित वैज्ञानिक अनुसंधान पूंजी व्यय [धारा 35(4)]

अनामेलित विकास भत्ता [धारा 33क (2) (ii)]

चालू विकास भत्ता [धारा 33क (2) (i)]

अनामेलित विनिधान भत्ता [धारा 32क (3) (ii)]

चालू विनिधान भत्ता [धारा 32क (3) (i)]

2. आठ पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से पूर्वतर अवधि से संबंधित अनामेलित अवक्षयण यहां उपदर्शित करें।

छ. कुल आय का विवरण।

1. यहां आय के विभिन्न शीर्षों के अधीन मद क से छ के सामने कर से प्रभाय रकमों का उल्लेख कीजिए। यह वहीं होनी चाहिए जो क्रमशः मद क 8 और छ 9 के सामने पृष्ठ 2 पर, मद ग 18 के सामने पृष्ठ 3 पर और मद घ 16 और छ 5 के सामने पृष्ठ 4 पर उपदर्शित की गई है।

2. यहां क से छ की कुल राशि उदर्शित की जाए।

3. पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से अग्रणीत अनामेलित हानियां और/या भत्ते जैसा कि चालू वर्ष की आय के प्रति मुजरा किए जाने के लिए विवरणी के पृष्ठ 5 पर मद च में दावा किया गया है, का यहां उल्लेख करें।

4. कर के लिए प्रभाय सकल कुल आय (2—3) यहां दीजिए।

5. I. वे कटौती जिनका दावा निर्धारिती अध्याय 6-क के अधीन करना चाहता है, यहां उल्लेख करें।

II. कृपया संदाय/अभिदाय की मदवार सकल रकम, अर्हक रकम और कटौती योग्य शुद्ध रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त हो तो, संगणना, पृथक पन्ने पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

III. कृपया दावा के समर्थन में संदाय अभिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अध्याय 6-क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित से है:

(i) राष्ट्रीय बचत स्कीम, 1987 के अधीन निक्षेप या जीवन बीमा निगम की आस्थगित वार्षिकी योजना में संदाय।

ये अधिकतम सीमा 40,000 रु. के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80 गगक)

(ii) साधारण शेयर बचत स्कीम के अधीन किया गया विनिधान-यह अधिकतम सीमा 10,000 रु. के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80 गगख)

(iii) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को संदत्त प्रीमियम चिकित्सा बीमा के लिए संदत्त प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु. है। (धारा 80 घ)

(vi) अनुविधाग्रस्त आश्रितों के चिकित्सीय उपचार आदि पर उपगत व्यय की बाबत कटौती। अधिकतम सीमा 6000 रु. है। (धारा 80 घघ)

(v) कतिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं आदि को दान। कतिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80छ के अधीन कटौती के लिए पात्र होगा जिसका योग राशि 250 रु. से अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सीमा सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है (जिसमें से वह रकम घटा दी जाएगी जिस पर कोई कर संदेय नहीं है या जिसके प्राप्त निर्देश से करदाता अध्याय 6-क के अधीन किसी कटौती का हकदार है। (धारा 80छ)

(vi) सुसज्जित या असज्जित निवास स्थान के लिए संदत्त किराया। करदाता, जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है, वर्गीकृत शहरों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्ती भी है, स्थित निवास स्थान के लिए संदत्त किराए की बाबत कटौती का पात्र है। कुल आय के 10 प्रतिशत से अधिक संदत्त किराया की बाबत, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु. प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के, इनमें से जो भी कम हो, अधीन रहते हुए, कटौती अनुमेय है। (धारा 80छछ)

(vii) वैज्ञानिक अनुसंधान, ग्राम विकास के लिए दान वैज्ञानिक अनुसंधान या ग्राम विकास या प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कतिपय वनों या वनरोपण के लिए संदत्त कोई राशि की बाबत धारा 80 छछक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती उपलब्ध है।

(viii) कुछ शतों के अधीन रहते हुए, पिछड़े क्षेत्रों में नये स्थापित औद्योगिक उपक्रमों या होटल कारबार से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80जज)

(ix) कुछ शतों के अधीन रहते हुए, कुछ क्षेत्रों में नये स्थापित लघु औद्योगिक उपक्रमों से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80 जजक)

- (x) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, भारत से बाहर परियोजनाओं से लाभों और अभिलाभों का 50 प्रतिशत। (80 जजख)
- (xi) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, विनिर्दिष्ट माल या वाणिज्य के निर्यात से यदि विक्रय आगम संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्य है प्राप्त लाभों और अभिलाभों का 100 प्रतिशत। (धारा 80 जजग)।
- (xii) कुछ शर्तों और विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अधीन रहते हुए, विदेशी पर्यटकों के प्रति की गई सेवाओं के लिए अनुमोदित होटलों या यात्रा अभिकर्ताओं या पर्यटन आपरेटरों की आय, यदि प्राप्तियां लाभ और हानि लेखा में नामे डाले गए और आरक्षित लेखा में जमा किए गए सुसंगत पूर्व वर्ष के ऐसे लाभ के अतिशेष को जोड़ कर, ऐसी सेवाओं से लाभ के 50 प्रतिशत तक विदेशी मुद्रा में संपरिवर्तनीय है। (धारा जजघ)
- (xiii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, 31-3-1981 के पश्चात् स्थापित औद्योगिक उपक्रमों आदि में लाभ और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (31-3-1990 के पश्चात् नए स्थापित औद्योगिक उपक्रमों आदि से लाभों और अभिलाभों का 25 प्रतिशत (धारा 80झ)
- (xiv) कतिपय दशाओं में नवस्थापित औद्योगिक उपक्रमों या पोतों या होटल कारखानों से लाभ और अभिलाभ की बाबत। कटौती। (धारा 80ञ)
- (xv) कुक्कुट पालन के कारखानों से लाभ और अभिलाभ का 33½ प्रतिशत (धारा 80ञझ)।
- (xvi) लाभांश, ब्याज, आय आदि। कतिपय श्रेयों, यूनिटों आदि निक्षेपों पर ब्याज के रूप में आय, 13000 रु. की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80ड)
- (xvii) परिवर्तनीय सीमाओं और कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए, सहकारी सोसाइटियों की विनिर्दिष्ट आय। धारा 88त)
- (xviii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों के लेखकों की वृत्तिक आय का 25 प्रतिशत। (धारा 80धधक)
- (xix) प्राध्यापकों, शिक्षकों आदि की दशा में कतिपय विदेशी स्रोतों से पारिश्रमिक आदि-संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत इनमें से जो भी अधिक हो है। (धारा 80 द)
- (xx) लेखकों, नाटककारों, कलाकारों, संगीतज्ञों, अभिनेताओं या खिलाड़ियों (जिनके अन्तर्गत खेल कूद में भाग लेने वाले भी हैं) की दशा में कतिपय विदेशी स्रोतों से वृत्तिक आय संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, है। (धारा 80 दध)
- (xxi) भारत के बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक सम्पूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, है। (धारा 80दधक)
- (xxii) उन व्यष्टियों द्वारा जो पूर्णतः अन्धे हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मंदता से ग्रस्त हैं, 15,000 रु. की कटौती का दावा किया जा सकता है। (धारा 80 प)
6. यहां कर से प्रभाय कुल आय (4 = 5) दी जानी है।
7. यहां उपबंधित रीति से दस रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित कुल आय का शब्दों और अंकों दोनों में उल्लेख कीजिए।
8. यहां सुसंगत वित्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 4 के अनुसार संगणित शुद्ध कृषि आय दी जानी है।
9. यहां अन्य व्यक्तियों को उद्भूत आय, जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।
10. यहां ऐसे अन्य व्यक्ति का नाम और नातेदारी दीजिए।
11. यदि किसी आय पर कर, विशेष कर से जैसे लाटरी आदि से जीत की बाबत धारा 115ख के अधीन या अनिवासी भारतीय की दशा में धारा 115ड के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन अधिकतम सीमान्त दर से प्रभाय है जो उसका ब्यौरा पृथक् पन्ने पर दीजिए, यदि कोई हो।

पृष्ठ--6

भाग--2.

करों का विवरण

1. यहाँ कुल आय पर संदेय कुल कर दिया जाना है।
2. यहाँ निम्नलिखित उपदर्शित करें—

(क) धारा 88 और 88क के अधीन वावाकृत रिबेट। वे निम्नलिखित हैं :

I. अधिनियम की धारा 87 में अनुध्यात है कि किसी निर्धारिती की कुल आय पर उक्त आय-कर की रकम की संगणना करने में, जिसके लिए वह किसी निर्धारण के लिए प्रभार्य है, आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) धारा 88 और 88क के उपबन्धों के अनुसार और उनके अधीन रहते हुए, इन धाराओं में विनिर्दिष्ट कटौतियाँ अनुज्ञात की जाएंगी। इसमें आगे यह उपबन्ध भी है कि धारा 88 या धारा 88क के अधीन कटौतियों की रकम का योग किसी भी दशा में निर्धारिती की कुल आय पर उस आय-कर की रकम से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) अधिक नहीं होगा, जिससे वह किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य है।

II. धारा 88 और 88क के उपबन्ध उस निर्धारिती को लागू हैं जो--

- (क) कोई व्यक्ति है, या
- (ख) कोई हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब है, या
- (ग) ऐसे व्यक्तियों का संगम या व्यष्टियों का निकाय है, जिसमें, दोनों दशाओं में, केवल पति, पत्नी हैं जो गोवा राज्य तथा दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्रों में प्रवृत्त सामुदायिक संपत्ति की पद्धति से शासित होते हैं।

धारा 88 के अधीन इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती उसकी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों के अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) जिसके लिए वह प्रभार्य है, उसकी उपधारा (2) में निर्दिष्ट कुल राशियों के योग के 20 प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये राशियाँ निम्नलिखित हैं,--

जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्य निधि अभिदाय, आवासीय गृह संपत्ति के क्रय/निर्माण के लिए सरकार, बैंक आदि से लिए गए ऋण की/का किस्त/भागतः संदाय/प्रतिसंदाय के लिए किया गया भुगतान। लेखक, नाटककार, कलाकार, संगीतज्ञ अभिनेता, या खिलाड़ी (जिसके अन्तर्गत खेल-कूद में भाग लेने वाला भी है) की दशा में अर्हक रकमों की संपूर्ण अधिकतम सीमा 70000 रु. की है, किसी व्यष्टि या किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या किसी व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय की दशा में 50,000 रु. है।

धारा 88 के अधीन दावा की गई रिबेट का योग मद 2(क)(i) योग में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

धारा 88क के अधीन: इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती जिसने कर से प्रभार्य आय में से पूर्व वर्ष में कतिपय नए शेयर या यूनिट अर्जित किए हैं अपनी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौती अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) ऐसे निर्धारिती के शेयरों या यूनिटों को लागू के बीस प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये शेयर और यूनिट निम्नलिखित हैं,--

- (i) ऐसे साधारण शेयर जो पात्र पूँजी पुरोधरण का भाग बनाते हैं, या
- (ii) धारा 10 के खण्ड (23घ) के अधीन विनिर्दिष्ट किसी पारस्परिक निधि की या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट की किसी स्कीम के अधीन पुरोधत यूनिट, यदि ऐसी यूनिटों में अभिदाय की राशि, ऐसी स्कीम के अधीन केवल पात्र पूँजी पुरोधरण को अंतिम अभिदाय के छह मास के भीतर प्रतिशत की जाती है।

अधिकतम अर्हक रकम, जिसकी दावत कोई निर्धारिती इस धारा के अधीन रिबेट का दावा कर सकेगा 25,000 रु. है।

धारा 88क के अधीन दावाकृत रिबेट का योग मद 2 (क) (ii) योग में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

मद 2(क) (i) और 2(क) (ii) की रकम का योग मद 2(क) (iii) में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

(ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय से शेषर आय की बाबत आय-कर की औसत दर से रिबेट। कृपया ऐसे रिबेट (रिबेटों) की संगणना के ब्यौरे संलग्न करें।

(ग) धारा 89(1) के अधीन राहत। कृपया ब्यौरे संलग्न करें।

2(क), (ख) और (ग) की रकम का योग कृपया बाह्य स्तंभ में उपदर्शित करें।

3. यहां संदेय आय-कर की अतिशेष रकम उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)
4. यहां विलम्ब में विवरणी फाइल करने के लिए अग्रिम कर के संशय में व्यक्तिगत के लिए या अग्रिम कर के आस्थगन के लिए प्रमाण्य ब्याज अलग-अलग दीजिए। इनकी संगणना धारा 234 क, धारा 234 ख और 234 ग में अधिकथित रीति से की जाएगी।
5. यहां संवेय कर और ब्याज की कुल रकम (3 + 4) उपदर्शित की जानी है।
6. संबंधित स्तंभों में (क) अग्रिम कर की किस्तों और (ख) स्रोत पर कटौती/संगृहीत किए गए करों का ब्यौरा दें। धारा 206 ग के अधीन स्रोत पर संगृहीत कर "कोई अन्य आय" के सामने उपदर्शित किया जाएगा।
7. स्वतः निर्धारण पर (अर्थात् विवरणी फाइल करने से पहले) संदेय कर और ब्याज का ब्यौरा दें और इस प्रकार संदेय रकम के समान में बालान संलग्न करें।
8. यहां अन्य पूर्व संदेय कर, यदि कोई हों, उपदर्शित किए जाने हैं। कृपया ऐसे संदेय का सबूत संलग्न करें।
9. यहां संदेय कर/ब्याज की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6 + 7 + 8)।
10. यहां यथास्थिति, संदेय कर/ब्याज या शोध्य प्रतिदाय, उपदर्शित किया जाना है। प्रतिदाय को उपदर्शित करने के लिए इसे ऋण (—) के चिह्न से दर्शाएं।

पृष्ठ—7

भाग—III

कारबार या वृत्ति से संबंधित जानकारी—

1. (क) वह/वे पूरा नाम और पता/पते दीजिए जिसमें/जहां कारबार/वृत्ति की जारी है। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है, तो कृपया ऐसा/ऐसे नाम और पता(पते) अलग-आलग पर लिखें और विवरणी के साथ संलग्न करें।
- (ख) शाखा (शाखाओं) का(के) पूरा नाम और पता (पते) दीजिए।
- (ग) कारबार की दशा में कृपया यह विनिर्दिष्ट कीजिए कि यह व्यापार/विनिर्माण/थोक/खुदरा विक्रय/निर्यात/आयात आदि है और वह/वे मुख्य मद (मदें) कौन सी है/हैं जिनका व्यापार किया जा रहा है। यदि वृत्ति है तो वृत्ति के नाम का उल्लेख कीजिए।
- (घ) सुसंगत पर निशान लगाइए और अन्य को काट दीजिए।
- (ङ) कृपया उल्लेख कीजिए कि यह "लागत" या "बाजार कीमत" या "अन्य" है। यदि "अन्य" है तो उसका नाम और पद्धति दीजिए।
2. कृपया यहां समुचित स्तंभों में पूर्ण जानकारी दीजिए।
3. I. यहां कारबार या वृत्ति के लाभों और अभिलाभों से आय की संगणना में दावा की गई कटौतियों की विनिर्दिष्ट विधिप्रतियां दीजिए। यदि कटौती का दावा विनिर्माण निवेश लेखा की बाबत किया जाता है तो कृपया आवश्यक प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए।

II. कृपया दिए गए स्थान में अवक्षयण के कारण की गई कटौती को उपदर्शित कीजिए। शेष स्थान का प्रयोग निम्नलिखित के संबंध में अनुज्ञेय कटौतियों को उपदर्शित करने के लिए कीजिए :

मद	धारा
(i) विनिधान भत्ता	32क
(ii) विनिधान निक्षेप लेखा	32कख
(iii) विकास भत्ता	33क
(iv) चाय विकास भत्ता	33कख
(v) पुनर्वास भत्ता	33ख
(vi) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय	35
(vii) पेटेंट अधिकार या प्रतिलिप्यधिकार पर व्यय	35क
(viii) व्यवहार ज्ञान पर व्यय	35कख
(ix) संगमों और संस्थाओं को	
(क) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों	35गक
(ख) प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के कार्यक्रमों को या वनरोपण के लिए संदाय	35गख
(x) प्रारम्भिक व्ययों का अपाकरण	35घ
(xi) कुछ खनिजों के पूर्वोक्षण पर व्यय	35ङ
(xii) कर्मचारियों को बोनस	36(1)(ii)
(xiii) उधार ली गई पूंजी पर ब्याज	36(1)(iii)
(xiv) इबंत ऋण	36(1)(vii)
(xv) सत्कार व्यय	37
(xvi) निम्नलिखित व्यय :	
(क) विज्ञापन	37
(ख) यात्रा	37

पृष्ठ—8

भाग—4

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है।

1. यहां आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपदर्शित की जाएगी। ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वह रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिर्दिष्ट करें।

भाग—5

संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

1. यहां आय की विवरणी के साथ संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा ब्योरा दें।

सत्यापन

उस पर हस्ताक्षर करने से पहले सत्यापन के नीचे दिए गए विनिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। सत्यापन में सभी सुसंगत को भरें। उपदर्शित रूप में स्थान और तरीके लिखें। जहां आवश्यक हो, विवरणी के साथ मुख्तारनामा का दस्तावेज संलग्न करें।

आय की विवरणी

[नियम 12(1) (ख) (iii) देखिए]

रसीद सं. -----

[ऐसे निर्धारितियों के लिए (कंपनियों और उन व्यक्तियों से, जो पूर्ण और धार्मिक प्रयोजनों के लिए धारित संपत्ति से आय प्राप्त करते हैं तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) जिनकी कुल आय के अन्तर्गत कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ नहीं है]

तारीख-----

(कृपया इस प्ररूप को भरने से पहले संलग्न टिप्पण ध्यानपूर्वक पढ़ें)

1. मूल संशोधित धारा 142 (1) (i)/148/237 के अधीन

2. निर्धारण वर्ष 19--□□ - □□

3. यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी फाइल करने का रसीद संख्यांक और तारीख

4. स्थाई लेखा संख्यांक जी. आई. आर. सं. □□□□□□

□□□□□□□□ □□□□□□□□

वाई/सकिल □□□□□□□□□□
रेंज

5. नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट अक्षरों में)

6. प्रास्थिति □□

7. निवास प्रास्थिति □□

□□□□□□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□□□□□□□□□

8. कार्यालय का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

9. निवास का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

□□□□□□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□□□□□□□□□

□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□

टेलीफोन □□□□□□ पिन □□□□□□

टेलीफोन □□□□□□ पिन □□□□□□

10. कृपया लिखिए:

- (क) क्या आप भारत के नागरिक हैं? हां/नहीं
(ख) क्या आप भारतीय मूल के व्यक्ति हैं? हां/नहीं
(ग) क्या आप अनिवासी भारतीय हैं, जिनके मामले में आयु के किसी भाग पर अध्याय 12 के उपबंधों के अनुसार कर लगाया जाएगा? (यदि हां तो कृपया पृथक पत्र पर ब्यौरा दें) हां/नहीं
(घ) क्या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब में कम से कम एक सदस्य ऐसा है जिसकी कुल आय इस निर्धारण वर्ष के लिए कर योग्य है? हां/नहीं

- (ङ) क्या यह आपका पहला निर्धारण है? हां/नहीं
(च) क्या आपका धन-कर के लिए निर्धारण किया गया है? हां/नहीं
(छ) क्या आपने किसी दोहरे कराधान से राहत का दावा किया है?
(i) विदेशों से करार के अधीन हां/नहीं
(ii) उन देशों के बारे में जिनके साथ कोई करार नहीं है हां/नहीं
देश का नाम-----

भाग—1

आय, जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की आय भी है जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध कृपि आय की संगणना

क—वेतन

सरकारी

हां/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. वेतन (सभी भत्तों सहित)

2. घटाए धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त भत्ते

(क)

(ख)

(ग)

3. अतिशेष (1--2)

4. जोड़िए (परिलब्धियोंपीर/या
बेतन के स्थान पर लाभ)

- (क) रु.
 (ख) रु.
 (ग) रु.
 (घ) रु.

5. योग (3+4) _____ रु.

6. कटीती कीजिए (क) मानक कटीती

(ख) रु.

(ग) रु.

7. 6 की कटीतियों का योग _____ रु.

8. "बेतन" शीर्ष के अधीन प्रभावे आय (5-7) _____ रु.

ब-गृह संपत्ति से आय

1. संपत्ति का पता _____

2. स्वयं के अधिभाग में

हां/नहीं

3. बा.कि.म. वार्षिक किराया

_____ रु.

4. घटाइए (क)

(ख)

(ग)

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

5. 4 का योग _____ रु.

6. घटिणेष (3-5) _____ रु.

7. अन्य कटीतियां

(क) मरम्मत

(ख)

(घ)

(ङ)

(च)

(छ)

(ज)

(झ)

(झ)

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

_____ रु.

8. 7 की कटीतियों का योग _____ रु.

9. "गृह संपत्ति से आय" शीर्ष के अधीन प्रभावे आय (6-8) _____ रु.

ग. पूंजी अभिलाष

अल्पकालिक आयिनियां

दीर्घकालिक आयिनियां

1. अंतरित आयिन की त्रिगिण्टियां _____

2. अर्जन की तारीख _____

3. अंतरण की तारीख _____

4. अंतरण से पूर्व धारित भास्ति के मासों की सं.	_____	_____	_____	_____
5. अंतरण का अंग	_____	_____	_____	_____
6. प्रतिफल का पूरा मूल्य	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
7. कटौतियाँ :				
(i) अर्जन की लागत	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
(ii) सुधार की लागत	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
(iii) अंतरण की लागत	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
8. 7 की कटौतियों का योग	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
9. प्रतिशेष (8-8)	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
10. अन्य कटौतियाँ घटाएँ	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
11. प्रतिशेष (9-10)	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
12. जीर्ण/घटाएँ				
वह रकम जो पूंजी अभिलाष समझी गई है (धारा 50 के अधीन से भिन्न)				
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
(क)	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
(ख)	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
13. योग [12(क) + 12(ख)]	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
14. योग (11 + 13)	_____रु.	_____रु.	_____रु.	_____रु.
15. धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूंजी अभिलाष				
16. "पूंजी अभिलाष" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य आय :				
	15.9 तक	16.9 से 15.12 तक	16.12 से 31.3. तक	
धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूंजी अभिलाष	_____रु.	_____रु.	_____रु.	
अन्य अल्पकालिक पूंजी अभिलाष	_____रु.	_____रु.	_____रु.	
दीर्घकालिक पूंजी अभिलाष	_____रु.	_____रु.	_____रु.	
कुल	_____रु.	_____रु.	_____रु.	
			कुल योग	_____रु.
			(ब) अन्य स्रोतों से आय	
1. (क) लाभांश	_____रु.			
(ख) ब्याज	_____रु.			
(ग) लाटरी, बगै पत्तली, बीड़ आदि से जीत	_____रु.			
(घ) मशीनरी, प्लॉट, भवन आदि से आय	_____रु.			
(ङ) अन्य	_____रु.			
2. 1(क) से 1(ङ) का योग				_____रु.
3. घटाएँ : कटौतियाँ (कृपया विनिर्दिष्ट करें)	_____रु.			
प्रवक्ष्यण	_____रु.			
4. 3 की कटौतियों का योग				_____रु.
5. "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य आय (2-4)				_____रु.

क. पूर्व निर्धारण वर्षों से अप्रतीत अनामेयित हानियां

बालू वर्ष की प्राय के
विशद मूजरा की गई
रकम (र.)

1. आठवां सप्तवां छठा पञ्चवां चौथा तीसरा दूसरा पहला

क. निर्धारण वर्ष
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)

योग

म्व. पूंजि अभिनाभ हानि

ग. कोई अन्य ज्ञानि

च. फूल प्राय का विवरण

1. क. घोलन (मद क-8) _____ र.

ख. गृह सम्पत्ति से प्राय (भद ख-५)

ग. पुंजी अभिलेख (मद ग-१७) _____ ह.

घ. अन्य स्रोतों से प्राय (मद ष-5) -----रु.

2. योग (क से घ तक)

3. घटाहणः पूर्व वर्षों से अग्रनीत हानियाँ :

1. क-ख-ग-घ-ङ-च-छ-ज-झ-ञ-ट-ठ-ड-ढ-ण-त-थ-द-ध-न-प-फ-ब-भ-म-य-र-ल-व-श-ष-स-ह- (मवङ्ग) -ह

4. सकल कुल भाय (2-3)

5. घटाहाण: प्रश्नाय 6-क के प्रवीन कटौतियां (रूपया विनिवष्ट करें)

सकल रकम	ग्रहक रकम	कटौती योग्य रकम
(क) रु.	(ख) (रु.)	(ग) (रु.)

योग

(ग) का योग ---रु.

6. कुल आय (4-5) ----- रु.

7. कुल आय (वस रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित)	लाख	हजार	सीकड़ा	र. यहाँ
(शब्दों में) _____				

8. राष्ट्र कृषि आय दर के प्रयोजनों के लिए

9. मरकट से षट्क में सम्मिलित आय की एकम जो पति या पत्नी/अथवा संतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की अथवा संतान या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के संगम को उद्भूत होने वाली आय है

10. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेदारी _____

11. मय क से घ तक में सम्मिलित आय जिस पर विशेष दर से कर प्रभायं

भाग 2. करों का विवरण

1. कुल अंश पर कर
(क) विशेष दरों से

(ख) सप्ताह्य दरों से ----- रु. योग ----- रु

2. घटाइए: (क) धारा 88 और 88क के अधीन रिफ्टेड:
(रुपया में बिनिदिष्ट करें)

सकल रकम

घट्टक रकम

कर रिफ्टेड अर्थात् घट्टक रकम का 20 प्रतिशत

(रु.)

(रु.)

(रु.)

(i) धारा 88 के अधीन

(ii) धारा 88क के अधीन

(i) योग

योग (रु.)

(ii) योग

(iii) [अर्थात् (i) + (ii)]

(ख) धारा 89(1) के अधीन राहत

रु. योग

3. प्रतिशेष (1-2)

रु.

4. जोड़िए:

(क) बिलंब से बिबरणी फाइल करने पर ब्याज

रु.

(ख) अग्रिम कर के संदाय में व्यक्तिगत के लिए ब्याज

रु.

(ग) अग्रिम कर के प्रास्थगन के लिए ब्याज

रु. योग

5. संवेद्य कुल कर और ब्याज (3+4)

रु.

6. पूर्व संवेद्य कर

(क) अग्रिम कर की किश्ते (चालान संलग्न कीजिए)

पहली

दूसरी

तीसरी

योग

रकम (रुपए)

तारीख:

बैंक का नाम:

शाखा:

(ख) निम्नलिखित से श्रोत पर काटा गया/बसूल किया गया कर (प्रमाण संलग्न कीजिए)

(क) बेतन

रु.

(ख) ब्याज

रु.

(ग) लाभांश

रु.

(घ) कोई अन्य आय (रुपया बिनिदिष्ट कीजिए)

रु.

(ङ) योग [(क) से (ख)]

रु.

7. स्वतः निर्धारण पर कर (चालान संलग्न कीजिए)

रकम

आय-कर

ऊपर 4 के अनुसार ब्याज

योग

संदाय की तारीख:

रु.

रु.

रु.

18

8. अन्य पूर्व संवेद्य कर, यदि कोई हो (रुपया बिनिदिष्ट करें और सबूत संलग्न करें)

रु.

9. योग (6 से 8)

रु.

10. संवेद्य या प्रतिवेद्य कर/ब्याज (अर्थात् 5 और 9 का अन्तर)

रु.

भाग 3. आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

आय की प्रकृति

रकम (₹.)

दावे के लिए कारण

1-

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

भाग 4. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

1-

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

(ङ)

(च)

(छ)

(ज)

(झ)

2. स्थापन

मैं (स्पष्ट प्रश्नों में पूरा नाम) जो *का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ सत्यनिष्ठा से घोषणा करना/करती हूँ कि इस विवरण और इससे मूल्य उपाबंधों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उनमें दक्षित कुल आय की रकम और अन्य विशिष्टियों का उल्लेख सही-सही किया गया और ये निर्धारण वर्ष 19□.□ से सुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान:—

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोद्भूत हुई है न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत मैं आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभाय हूँ।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान:—

(क) *उस व्यक्ति के, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरण दी जा रही है, *उस व्यक्ति की जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, *उस व्यक्ति को जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरण दी जा रही है, *उस व्यक्ति के, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभाय है।

*मैं यह भी घोषणा करना/करती हूँ कि मैं यह विवरण (पदनाम) की हैसियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरण तैयार करने और इसकी स्थापित करने के लिए सक्षम हूँ

स्थान

तारीख

* (नाम और हस्ताक्षर)

*जो लागू न हो उसको काट दीजिए।

*घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को अपना समाधान कर लेना चाहिए कि यह विवरण और इसके साथ के उपाबंध और विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण है। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरण या इसके साथ के उपाबंध या विवरणों में कोई मिथ्या कथन करेगा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन के लिए दायी होगा वोचसिद्धि पर उक्त धारा के अधीन कठिन कारावास और जुर्माने से दण्डनीय होगा।

आय कर विभाग

आई.टी.एस. 3

टिप्पण : (निर्धारितता द्वारा अलग कर लिया जाए और रख लिया जाए)

प्ररूप सं. 3

[आय कर अधिनियम, 1961 नियम 12(1)(ख)(iii)]

सामान्य :

I. प्ररूप सं. 3 ऐसे निर्धारितियों (कंपनियों और उन व्यक्तियों से, जो पूते या धार्मिक प्रयोजनों के लिए धारित संपत्ति से आय प्राप्त करते हैं, तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) के लिए है, जिनकी कुल आय के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" नहीं हैं।

II. सभी भाग और स्तम्भ इसके नीचे उपबंधित रीति से भरे जाने चाहिए। यदि कोई भाग या स्तम्भ लागू न हो तो, कृपया "लागू नहीं होता" उल्लिखित करें और कोई चिन्ह या प्रतीक अंकित न करें। कृपया "अभिलेख के अनुसार" वाक्यांश या तदर्थक का प्रयोग न करें।

III. इन टिप्पणियों में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए हैं वे आय की विवरणी के संबंधित पृष्ठों पर तत्स्थानी मद संख्याओं को निर्दिष्ट करते हैं।

IV. उस दशा में जब आय के किसी शीर्ष के अन्तर्गत दिया गया स्थान अपर्याप्त हो, जब आय के प्रत्येक ऐसे स्रोत की बाबत संगणना विवरणी प्ररूप में सुसंगत आय के शीर्ष के अधीन उस प्रयोजन के लिए उपदर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए, पृथक पन्ने (पन्नों) पर दें। ऐसी संगणना की कुल राशि विवरणी प्ररूप में सुसंगत शीर्ष के अधीन दिए गए स्तम्भों में उपदर्शित की जानी चाहिए। इसी प्रकार, इस प्ररूप में मांगी गई अन्य कोई जानकारी, जो कि स्थान की कमी के कारण पूर्ण रूप से न दी जा सके, पृथक पन्ने पर दी जा सकती है।

V. इन टिप्पणियों में धाराओं और नियमों के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आयकर अधिनियम, 1961 और आयकर नियम 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1991-92 के लिए है और पहली बार फाइल की गई है तो यह मूल विवरणी है। यह उपदर्शित करने के लिए "मूल" को छोड़ दें और बाकी काट दें, उदाहरणार्थ मूल/संशोधित/धारा 142(1)(i)/148/237 इसी प्रकार यह उपदर्शित करने के लिए कि विवरणी धारा 142(1)(i) के अधीन जारी की गई सूचना के अनुसरण में फाइल की गई है, 'मूल' और धारा 142(1)(i) के अधीन को ऐसे ही छोड़ दें और बाकी काट दें।

2. वह निर्धारण वर्ष उपदर्शित करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष वित्तीय वर्ष के ठीक बाद के बारह मास की अवधि है। इस प्रकार से 1-4-1990 से 31-3-1991 की अवधि के लिए निर्धारण 1991-92 होगा।)

3. यदि यह संशोधित विवरण है, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख। उदाहरण : यदि मूल विवरणी 15-6-1991 को फाइल की जाती है और उसके लिए विभाग ने रसीद संख्या 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपदर्शित किया जाएगा :

4	2	1	0	—	1	5	—	0	6	—	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. करदाता को दिए गए स्थाई लेखा संख्या और डेबा/सकिल/रेंज का यहाँ हवाला दिया जाएगा। यदि यह इस प्रकार नहीं दिया गया है तो जी.आई.आर. संख्यांक, यदि कोई हो, लिखें। यदि दोनों नहीं दिए गए हैं तो खानों की पहली पंक्ति में "नहीं दिया गया" लिखें और जहाँ निर्धारण किया गया है या किया जा सकता है वहाँ आयकर कार्यालय के जनसंपर्क अधिकारी या पावती काउन्टर से अभिनिश्चित करने के पश्चात् खानों की निचली पंक्ति में आयकर वाई/सकिल/रेंज का उल्लेख करें।

5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात् एक खाना छोड़ दें। उदाहरण: सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें :—

श	र्मा	स	त्य	प्र	का	श
---	------	---	-----	-----	----	---

6. प्राप्ति उपदर्शित करने के लिए, कृपया निम्नलिखित कोड नम्बर का प्रयोग कीजिए :

(क) व्यक्ति	01
(ख) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)	02
(ग) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्व वर्ष में 22,000 रु. से अधिक है	03
(घ) रजिस्ट्रीकृत फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म (उमसे भिन्न जो वृत्ति में लगी है)	05
(च) रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है	06
(छ) व्यक्तियों का संगम (ए ओ पी)	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) व्यक्ति निकाय (बी ओ आई)	09
(ण) कृत्रिम विधिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी सोसाइटी	11
(ठ) स्थानीय प्राधिकारी	16

उदाहरण : उस हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की दशा में जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय 22,000 से अधिक है सही कोड नम्बर 03 होगा ।

7. निवास प्राप्ति उपदर्शित करने के लिए निम्नलिखित कोड नम्बर का प्रयोग कीजिए :—

निवासी	01
अनिवासी	02
निवासी किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं	03

सुसंगत उपबंध धारा 6 में है ।

8 और 9. अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टेलीफोन नम्बर सहित, यदि कोई हो, पूरा पता दें ।

10. जो लागू न हो उसे काट दें ।

पृष्ठ 2 भाग-I

क. वेतन

नियोजकों के नाम और पते दें । यदि आप सरकारी नियोजन में हैं तो “नहीं” काट दें । किसी अन्य दशा में “हां” काट दें ।

1. यहां निर्धारण वर्ष के संबंध में जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, नियोजक से प्राप्त/प्राप्य सकल वेतन उपदर्शित करें (उदाहरणार्थ वेतन, जिसके अन्तर्गत वेतन की बकाया या वेतन अग्रिम भी है, उस छुट्टी के बदले में, जिसका उसने उपभोग नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, बोनस, मजदूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संश्लिष्ट मूल्य है, कोई वापसी या उपदान और मकान किराया और सभी अन्य नकद भत्ते, (वेतन के बदले में प्राप्त परिलब्धियों और लाभों के मूल्य को छोड़कर) एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्य वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें । सुसंगत उपबंध आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 15 और धारा 17 में है । किसी व्यक्ति की दशा में यदि ऐसी रकम उपदान के रूप में सात वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो एक पृथक विवरण संलग्न किया जाए ।

2. यहां उस परिमाण तक भत्ते उपदर्शित करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त हैं ।

3. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)

4. वेतन के बदले में परिलब्धियां और लाभों (स्तम्भ 2 में वर्णित से भिन्न) के मूल्य को जोड़ें । प्रत्येक मद को उसके धनीय मूल्य सहित दिए गए स्तम्भों में अलग अलग विनिर्दिष्ट करें । यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पृथक पन्ना संलग्न करें ।

नियोजक द्वारा प्रदत्त परिलब्धियां निम्नलिखित हो सकती हैं :

- (i) मुफ्त या रियायती वास सुविधा—धारा 17(2)(i) और (ii)
- (ii) मुफ्त या रियायती फायदे सुख सुविधाएं—धारा 17(2)(iii) :
- (क) प्रवरण—नियम 3(ग)

(ख) गैस, बिजुत, जल नियम 3 (घ)

(ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं

(घ) वैयक्तिक यात्रा

(ङ) अन्य कोई मद (गौरे दीजिए)

(iii) निर्धारिती की वाध्यताओं की दावत नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें चालकों की शिक्षा, आय कर आदि सम्मिलित हैं) और नियोजक द्वारा जीवन बीमा या वार्षिकी के लिए संवेय राशियां—धारा 17(2)(iv) और (v)

5. यहां मद 3 और 4 की राशि दीजिए। कृपया वेतन प्रमाणपत्र संलग्न करें।

6. यहां वेतन आय से अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें, उदाहरणार्थ :

—मानक कटौती : वेतन के $33\frac{1}{3}$ प्रतिशत के बराबर राशि या बारह हजार रुपये, इनमें से जो भी कम हो वेतन शीर्ष के अधीन आय की संगणना में अनुज्ञात है।

—सत्कार भत्ता धारा 16(ii)

—नियोजन पर कर-धारा 16(iii)

7. यहां सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।

8. यहां "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय उपदर्शित कीजिए।

ख. गृह संपत्ति से आय

1. कृपया संपत्ति/(संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे डाक पता/पते श्रीजिए। यदि निर्धारिती एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।

2. यह उपदर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभोग में है या नहीं, यथास्थिति, "हां" या "नहीं" शब्द को काट दीजिए।

3. यहां वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्य वार्षिक किराया, इनमें से जो भी अधिक हो, उपदर्शित करें। यदि आप एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहां उपदर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृथक संगणना दें।

4. यहां धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए जैसे :

(क) नगरपालिका कर : निर्धारिती कटौती का तभी दावा करें जब वे (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएदार द्वारा नहीं और (ii) वर्ष के दौरान संदत्त किए गए हैं : कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।

(ख) नव संनिर्माण भत्ता : सुसंगत उपबंध धारा 23(i) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।

(ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभोग में स्वयं उसके निवास के प्रयोजनों के लिए हैं तो संपत्ति, जिसके बारे में निर्धारिती यह दावा करता है कि उनका धारा 23(2) उपबंधों के अनुसार वार्षिक मूल्य "कुछ नहीं" माना जाए, विनिर्दिष्ट की जाएंगी।

कटौती की प्रत्येक मद उसके अधीन दावा की गई कटौती योग्य रकम सहित अलग अलग विनिर्दिष्ट करें।

5. यहां धारा 23 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

6. यहां प्रतिशत उपदर्शित करें (अर्थात् 3-5)

7. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौतियों उपदर्शित करें (प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें) जैसे :

(i) मरम्मत—निर्धारिती वार्षिक मूल्य के पृष्ठांक का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है—धारा 24(1)(i)।

(ii) बीमा धारा 24(1)(ii)

(iii) वार्षिक प्रभार—धारा 24(1)(iv)

(iv) भूमि का किराया—अधारा 24(1)(v)

(v) उधार ली गई पूंजी पर व्याज—धारा 24(1)(vi)

(vi) भू राजस्व—धारा 24(1)(vii)

(vii) संग्रहण प्रभार (अनुज्ञेय पर्सोना वास्तविक व्यय या वार्षिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत, इनमें से जो भी कम हों, हैं)—धारा 24(1)(viii)

(viii) रिक्त रहने का भत्ता—धारा 24(1)(iv)

(ix) किराया जो वसूल नहीं किया जा सकता—धारा 24(1)(x)

8. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

9. यहां "ग्रह संपत्ति में आय" शीर्ष के अधीन प्रभाव आय (अर्थात् 6-8) उपदर्शित की जानी है।

पृष्ठ 3

ग. पूंजी अभिलाष

1. अन्तरित आस्तियों का विवरण दें। अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक् स्तम्भ दिए गए हैं। तदनुसार अन्तरित आस्तियों की विशिष्टियां संबंधित स्तम्भों में दी जाएं। यदि अन्तरण में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक/आस्तियां अंतर्बलित हों तो पृथक् संगणना पत्रा दिए गए फार्म में, विवरणों के साथ संलग्न करें।

2. यहां निर्धारिती द्वारा आस्ति के अर्जन की तारीख उपदर्शित की जाए।

3. यहां वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अन्तरित की गई है।

4. कृपया यहां मासों में वह अवधि जिसमें निर्धारिती ने अन्तरण से पूर्व आस्ति धारित की है उपदर्शित करें।

5. कृपया यहां उपदर्शित करें कि अन्तरण की निम्नलिखित रीतियों में से कौन सी रीति अपनाई गई है:—

(i) आस्ति का विक्रय विनिमय या त्याग; या

(ii) उसमें किसी अधिकार का त्याग, या

(iii) किसी विधि के अधीन उसका अनिवार्य अर्जन, या

(iv) उस दशा में जब कि आस्ति के स्वामी द्वारा उसे अपने द्वारा चलाए जा रहे किसी कारबार में व्यापार स्टाक में संपरिवर्तित कर दिया गया है या उसके द्वारा इस रूप में मान लिया गया है, ऐसा संपरिवर्तन या मानना; या

(v) कोई संयवहार जिसमें संपत्ति अन्तरण अधिनियम 1882 (1882 का 4) की धारा 53क में निर्दिष्ट प्रकृति की किसी संविदा के भागिक पालन के लिए किसी स्थावर संपत्ति का कब्जा लिया जाना या रखे रहना अनुज्ञात किया जाना अन्तर्बलित हो; या

(vi) कोई संयवहार (चाहे किसी सहकारी सोसाइटी, कंपनी या अन्य व्यक्ति संगम में उसका सदस्य बन कर या उसमें शेयर अर्जित करके या किसी करार द्वारा या किसी समझौता द्वारा किसी अन्य ढंग से जो भी हो) जो किसी स्थावर संपत्ति के अन्तरण का प्रभाव रखता हो या उसके उपयोग के लिए समर्थ बनाता हो।

अनिवार्य अर्जन की दशा में, कृपया अलग पन्ने पर, उप अधिनियम का जिसके अधीन उक्त अर्जन किया गया है और साथ ही अधिसूचना की तारीख तथा संबंधित प्राधिकरण द्वारा संपत्ति के कब्जे का उल्लेख करें।

6. आस्ति के अन्तरण से वसूल/वसूली योग्य रकम यहां उपदर्शित की जानी है।

7. कृपया यहां उपदर्शित करें :

(i) अर्जन की लागत: यह निर्धारिती धारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निबन्धनों के अनुसार लागत।

(ii) मुधार की लागत: "गुडविल" के संबंध में यह "शून्य" है जबकि अन्य आस्तियों के संबंध में यह आस्ति के मुधार में उपगत लागत है—धारा 56(1)(ख)

(iii) अन्तरण की लागत: यह आस्ति के अन्तरण के संबंध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)

8. यहां 7 की कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित करें।

9. यहां अतिशेष रकम (6-8) उपदर्शित करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो उसे (-) ऋण चिन्ह द्वारा उपदर्शित करें।

10. अन्य कटौतियां: यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाषों के संबंध में अनुज्ञेय कटौतियां अलग अलग उपदर्शित की जाएंगी। कृपया प्रत्येक मद उस अधीन कटौती योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हों तो अन्य पन्नों का प्रयोग करें। यदि दीर्घकालिक पूंजी आस्ति के संबंध में 9 के अतिशेष का परिणाम हानि हो तो, ऐसी हानि की रकम धारा 48(3) के उपबन्धों के अनुसार निकाली जानी चाहिए।

अनुमेय कटौतियां निम्नलिखित हैं :

1. अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ :

- (i) वह रकम जो धारा 54(i) 54घ(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।
- (ii) वह रकम जो धारा 54ख(2) 54ब(2) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

II. दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ :

- (i) वह रकम जो धारा 53, 54(1), 54ख(1), 54घ(1) 54च(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।
- (ii) वह रकम जो धारा 54(2), 54ख(2), 54घ(2), 54ङ(1), 54भ(4), या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।
- (iii) धारा 48(2) के अधीन।

11. कृपया यहां अनिशेष रकम (9-10) उपदर्शित करें। यदि 9 के प्रतिशत का परिणाम हानि हो तो उसे यहां दोहराया जाए।

12. यहां “पूँजी अभिलाभ” (धारा 50 के अधीन से भिन्न) शीर्ष के अधीन आय समझी गई रकम उपदर्शित करें। कृपया प्रत्येक मद उसके अधीन सम्मिलित किए जाने योग्य रकम सहित अलग अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुसंगत उपबंध धारा 45(2)/(3)/(4)/(5), 54(2), 54ख(2), 54घ(2), 54ङ(2), 54च(4) और 54छ(2) में हैं।

13. यहां पूँजी अभिलाभ (धारा 50 के अधीन से भिन्न) समझी गई कुल रकम इसमें उपदर्शित की जानी है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग अलग उपदर्शित की जाए।

14. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के लिए 11 और 13 के शुद्ध परिणाम अलग अलग उपदर्शित करें।

15. यहां धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ उपदर्शित करें। उसका सुसंगत ब्योरा एक अलग पन्ने पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

16. धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ “पूँजी अभिलाभ” शीर्ष के अधीन अन्य अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ/हानि की अवधिवार रकम आंतरिक स्तम्भों में प्रदर्शित करें और इनकी कुल रकम कुल योग में।

क. अन्य स्रोतों से आय :

1. (क) कृपया लाभांश की सकल रकम उल्लिखित करें। निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक पन्ना संलग्न करें :—

- (i) कम्पनी का नाम;
- (ii) शेयरों की संख्या;
- (iii) लाभांश की सकल रकम;
- (iv) स्त्रोत पर काटा गया कर।

यदि निर्धारिती ने धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति की कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश समझी गई है तो कंपनी का नाम और पता प्राप्त संदाय की प्रकृति और इस प्रकार प्राप्ति राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिपक्ष और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

(ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्य ब्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्त किया गया/प्राप्य ब्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक पन्ना संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।

(ग) यहां लाटरी बर्ग पहेली और दौड़ आदि से हुई जीत की सकल रकम लिखें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें। यदि दो या अधिक मदें हों तो पृथक संगणना संलग्न करें।

(घ) यहां किराए पर दी गई मशीनरी प्लांट या फर्नीचर से आय और उस भवन से ऐसी आय जिसके किराए पर देने के उक्त मशीनरी प्लांट या फर्नीचर को किराए पर देने से अलग न किया जा सके, यदि यह “कारखाने या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” शीर्ष के अधीन आय कर में प्रभावी नहीं है उपदर्शित करें।

(ङ) “अन्य स्रोतों से आय” शीर्ष के अधीन प्रभावी अन्य आय विनिर्दिष्ट करें।

2. यहां सकल प्राप्तियों की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

3. तद्धीन दावा की गई कटौतियों की मदें और रकमें विनिर्दिष्ट करें। सुसंगत उपबंध धारा 57 में हैं।

4. यहां दावा की गई कटौतियों का योग उपदर्शित करें।

5. यहां "अन्य स्त्रियों से आय" शीर्ष के अग्रोत प्रभार्य आय उपदर्शित की जाती है।

पृष्ठ 4

क. पूर्व निर्धारण वर्षों से अग्रोत अनामेलित हानियां

1. "पूजी अभिलेख" और "अन्य स्त्रियों से आय" शीर्षों के अग्रोत अनामेलित हानियों का ब्योरा दें। गुप्तान्त उपबंध आय कर अधिनियम की धारा 74 और 74क में हैं।

यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो यहां उपदर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए एक अलग पन्ने पर ब्योरा दें और उसे विवरणी के साथ लगायें।

ख. कुल आय का विवरण

1. यहां आय के विभिन्न शीर्षों के अधीन मद क से घ के सामने कर से प्रभार्य रकम लिखें। ये वहीं होनी चाहिए जो क्रमशः पृष्ठ 2 पर मद क 8 और ख 9 पृष्ठ 3 पर मद ग 16 और घ 5 के सामने दर्शित की गई है।

2. यहां क से घ की कुल राशि उपदर्शित की जाए।

3. यहां पूर्व निर्धारण वर्षों से अग्रोत अनामेलित उन हानियों का उपदर्शित करें जिनका चालू वर्ष की आय के विषय में मुजरा करने का पृष्ठ 4 पर मद छ में दावा किया गया है।

4. कर से प्रभार्य सकल कुल आय (2-3) यहां उपदर्शित की जाती है।

5. 1. यहां अध्याय 6-क के अधीन निर्धारितों द्वारा दावा की गई कटौतियां उपदर्शित की जाएं।

2. कृषि संदाय/प्रतिदाय की मदनुसार सकल रकम अर्द्धरकम और शुद्ध कटौती योग्य रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त हो तो संगणना पृथक पन्ने पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

3. कृषि दावा के समर्थन में संदाय/प्रतिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अध्याय 6-क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित से है :

- (1) राष्ट्रीय बचत स्कीम 1987 के अधीन निक्षेप या जीवन बीमा निगम की आस्थगित वार्षिकी योजना में संदाय : ये अधिकतम सीमा 40,000 रु. के अधीन रहते हुए 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80गग)
- (2) साधारण श्रम बचत स्कीम में विनिधान : यह अधिकतम सीमा 10,000 के अधीन रहते हुए 10 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80गग)
- (3) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को संदत्त प्रीमियम : चिकित्सा बीमा के लिए संदत्त प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु. है। (धारा 80घ)
- (4) अनुविधवाप्रस्त आश्रितों की चिकित्सा उपचार प्राप्ति के लिए उभयतः व्यय की बाबत कटौती : अधिकतम सीमा 6000 रु. है। (धारा 80घ)
- (5) कतिपय निधियों पूर्व संस्थाओं आदि को दान : कतिपय निधियों, पूर्व संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80छ के अग्रोत कटौती के लिए पात्र होगा यदि उस रकम का योग 250 रु. से अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है। (जिसमें से वह रकम घटा दी जाएगी जिस पर कोई संदेय नहीं है या जिसके प्रति निर्देश से करदाता अध्याय 6-क के अधीन किसी कटौती का हकदार है)। (धारा 80छ)
- (6) सुसज्जित या असज्जित निवास स्थान के लिए संदत्त किराया : करदाता जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है वर्गीकृत शहरों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्ती भी हैं, स्थित निवास स्थान के लिए संदत्त किराए की बाबत कटौती का पात्र है कुल आय के 10 प्रतिशत से अधिक संदत्त किराया की बाबत, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु. प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के इनमें से जो भी कम हो अधीन रहते हुए कटौती अनुज्ञेय है। (धारा 80छछ)
- (7) वैज्ञानिक अनुसंधान, ग्राम विकास के लिए साग वैज्ञानिक अनुसंधान या ग्राम विकास या प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए या वनरोपण के लिए कोई संदत्त रकम कतिपय धानों की बाबत धारा 80 छछक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती के लिए उपलब्ध है।
- (8) लाभांश, ब्याज, आय आदि कतिपय लेयर्स, मुनिदों आदि में निक्षेपों पर ब्याज के रूप में आय, 13000 रु. की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80)

- (9) परिवर्तनीय सीमाओं और कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए सरकारी सोसाइटियों की विनिर्दिष्ट आय (धारा 80त)
- (10) प्राचार्यों, शिक्षकों आदि की दशा में कतिपय विदेशी स्त्रोतों से पारिश्रमिक आदि: संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनियमन के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, है (धारा 80ड)
- (11) भारत से बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक: संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनियमन के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक की 75 प्रतिशत जो भी अधिक हो, है। (धारा 80दक)
- (12) उन व्यष्टियों द्वारा, जो पूर्णतः अन्धे हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मंदता से ग्रस्त हैं, 15,000 रु. की कटौती का दावा किया जा सकता है (धारा 80प)

6. यहां कर से प्रभार्य कुल आय (4-5) दी जानी है।

7. यहां उपबंधित रीति से, दस रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णकृत कुल आय का शब्दों और अंकों दोनों में उल्लेख कीजिए।

8. यहां सुसंगत वित्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 4 के अनुसार संगणित शुद्ध कृषि आय दी जानी है।

9. यहां अन्य व्यक्तियों को उद्भूत आय, जो निर्धारिती की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।

10. यहां ऐसे अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम और नातेदारी दीजिए।

11. यदि किसी आय पर कर, विशेष दर से जैसे लाटरी आदि से जीत की बाबत धारा 115 कख के अधीन या अनिवासी भारतीय की दशा में धारा 115ड के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबंधों के अधीन अधिकतम भाजित दर से प्रभार्य है तो उसका ब्यौरा पृथक पन्ने पर दीजिए।

भाग 2

पृष्ठ 5

करों का विवरण

1. यहां कुल आय पर संदेय कुल कर दिया जाना है।

2. यहां निम्नलिखित उपदर्शित करें—

(क) धारा 88 और 88क के अधीन दावाकृत रिबेट वे निम्नलिखित हैं:

I. अधिनियम की धारा 87 में अनुध्यात है कि किसी निर्धारिती की कुल आय पर उक्त आय कर की रकम की संगणना करने में जिसके लिए वह किसी निर्धारण के लिए प्रभार्य है, आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) धारा 88 और 88क उपबंधों के अनुसार और उनके अधीन रहते हुए; इन धाराओं में विनिर्दिष्ट कटौतियों अनुज्ञात की जाएंगी। इसमें आगे यह उपबंध भी है कि धारा 88 या धारा 88क के अधीन कटौतियों की रकम का योग किसी भी दशा में निर्धारिती की कुल आय पर उस आय कर की रकम से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) अधिक नहीं होगा, जिससे वह किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य है।

II. धारा 88 और 88क के उपबंधों उस निर्धारिती को लागू हैं जो,—

(क) कोई व्यष्टि है, या

(ख) कोई हिन्दू अवभिकत कुटुम्ब है, या

(ग) ऐसे व्यक्तियों का संगम या व्यष्टियों का निकाय है, जिसमें, दोनों दशाओं में, केवल पति, पत्नी हैं जो गोवा राज्य तथा दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्रों में प्रवृत्त सामुदायिक संपत्ति की पद्धति से शासित होते हैं।

धारा 88 के अधीन इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती उसकी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों के अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई) जिसके लिए वह प्रभार्य है, उसकी उपधारा (2) में निर्दिष्ट कुल राशियों के योग के 20 प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये राशियां निम्नलिखित हैं —

जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्य निधि अभिदाय, आवासीय गृह संपत्ति के ऋण/निर्माण के लिए सरकार, बैंक आदि से लिए गए ऋण की/का किस्त/भागतः संदाय/प्रतिसंदाय के लिए किया गया भुगतान। लेखक, नाटककार, कलाकार, संगीतज्ञ, अभिनेता या खिलाड़ी (जिसके अंतर्गत खेलकूद में भाग लेने वाला भी है) की दशा में अर्हक रकमों की संपूर्ण अधिकतम सोमा 70,000 रु. की है, किसी व्यष्टि या किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या किसी व्यष्टियों के संगम या व्यष्टियों के निकट की दशा में 50,000 रु. है।

धारा 88 के अधीन दावा की गई रिबेट का योग मद 2(क)(i) योग में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

धारा 88क के अधीन : इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती जिसने कर से प्रभार्य आय में से पूर्व वर्ष में कतिपय नए शेयर या यूनिट अर्जित किए हैं अपनी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौती अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) ऐसे निर्धारिती के शेयरों या यूनिटों की लागत के बराबर प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये शेयर और यूनिट निम्नलिखित हैं —

- (i) ऐसे साधारण शेयर जो पात्र पूंजी पुरोधरण का भाग बनाते हैं, या
- (ii) धारा 10 के खंड (23घ) के अधीन विनिर्दिष्ट किसी फारस्परिक निधि की या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963, (1963 का 52) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट की किसी स्कीम के अधीन पुरोधृत यूनिट, यदि ऐसा यूनिटों में अभिदाय की राशि, ऐसी स्कीम के अधीन केवल पात्र पूंजी पुरोधरण को अंतिम अभिदाय के छह मास के भीतर प्रतिश्रुत की जाती है।

अधिकतम अर्हक रकम, जिसकी बाबत कोई निर्धारिती इस धारा के अधीन रिबेट का दावा कर सकेगा, 25,000 रु. है। धारा 88क के अधीन दावाकृत रिबेट का योग मद 2(क)(ii) योग में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

मद 2(क)(i) और 2(क)(ii) की रकम का योग मद 2(क)(iii) में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

(ख) धारा 89(i) के अधीन राहत (कृपया ब्योरे संलग्न करें)।

2(क) और (ख) की रकम का योग कृपया बाह्य स्तम्भ में उपदर्शित करें। योग

3. यहां संदेय आय कर की अतिशेष रकम उपदर्शित करे (अर्थात् 1-2)।

4. यहां विलंब से विवरणी फाइल करने के लिए, अग्रिम कर के संदाय में व्यतिक्रम के लिए या अग्रिम कर के आस्थगन के लिए प्रभार्य ब्याज अलग अलग दीजिए। इनकी संगणना धारा 234-क, धारा 234ख और धारा 234ग में अधिकथित रीति से की जाएगी।

5. यहां संदेय कर और ब्याज की कुल रकम (3-4) उपदर्शित की जानी है।

6. संबंधित स्तंभों में (क) अग्रिम कर की किस्तों और (ख) स्रोत पर कटौती किए गए (संग्रहित) करों का ब्योरा दें। धारा 206ग के अधीन स्रोत पर संग्रहित किया गया कर किसी अन्य आय के सामने उपदर्शित किया जा सकता है।

7. स्वतः निर्धारण पर (अर्थात्, विवरणी फाइल करने से पहले) संदत्त कर और ब्याज का ब्योरा दें और इस प्रकार संदत्त की गई रकम के समर्थन में चालान भी संलग्न करें।

8. यहां अन्य पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हो, उपदर्शित किए जाने हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।

9. यहां संदत्त कर ब्याज की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6 + 7 + 8)

10. यहां, यथास्थिति, संदेय कर/ब्याज या शीघ्र प्रतिदाय उपदर्शित किया जाना है। प्रतिदाय को उपदर्शित करने के लिए इसे ऋण (-) के चिन्ह से दर्शाएं।

पृष्ठ — 6

भाग — 3

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है।

1. यहां आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपदर्शित की जाएगी। ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वह रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिर्दिष्ट करें।

भाग-4 संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

1. यहां आय की विवरणी के साथ संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा ब्योरा दें।

सत्यापन

उस पर हस्ताक्षर करने से पहले, सत्यापन के नीचे दिए गए अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। सत्यापन में सभी सुसंगत स्तंभों को भरें। उपर्युक्त रूप में स्थान और तारीख लिखें। जहां कहीं आवश्यक हो, विवरणी के साथ मुख्तारनामे के दस्तावेज संलग्न करें।"

[सं 8868/फा. सं. 142/1/91 - टी पी एल]
सुनील चौपड़ा, निदेशक (टीपीएल)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(Central Board of Direct Taxes)
NOTIFICATION
New Delhi, the 12th April, 1991
INCOME - TAX

S.O. 258 (E).— In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. These rules may be called the Income-tax (Eighth Amendment) Rules, 1991.
2. In the Income-tax Rules, 1962,—
 - (a) in sub-rule (1) of rule 12, after the word and figures "section 139", the following words, figures and brackets shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 1st day of April, 1989, namely:—
"or clause (i) of sub-section (1) of section 142";
 - (b) in Appendix II, for Form Nos. 2 and 3, the following Forms shall be substituted with effect from the 15th day of May, 1991, namely:—

FORM NO. 2

RETURN OF INCOME
[SEE RULE 12(1)(b)(i)]

Receipt No. _____
Date _____

[For assessee (other than companies and those claiming exemption under section (11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession")]

(PLEASE READ THE ATTACHED NOTES CAREFULLY BEFORE FILLING THIS FORM)

- | | |
|--|--------------------------------|
| 1. Original/Revised/U/s 142(1)(i)/148/237 | 2. Assessment Year 19 _____ |
| 3. If revised, Receipt No. and date of filing of original return | 4. PAN/ _____
GIR No. _____ |
|Ward/Circle/
Range | |
| 19 | |
| 5. Name (Surname First) (in Block Letters) | 6. Status |
| _____ | 7. Residential Status |
| _____ | |
| _____ | |

8. Office Address (in Block Letters)

Telephone

PIN

9. Residential Address (in Block Letters)

Telephone

PIN

10. Please indicate :

- | | | | |
|--|----------|--|--------|
| (a) Are you a citizen of India? | Yes/No | (e) Is this your first Assessment? | Yes/No |
| (b) Are you a person of Indian origin? | Yes/No | (f) Are you assessed to Wealth-tax? | Yes/No |
| (c) Are you an NRI in whose case any part of income is to be taxed in accordance with the provisions of Chapter XIIA?
(If Yes, please file the details in a separate sheet) | Yes/No | (g) Have you claimed any Double Taxation Relief? | |
| | | (i) Under Agreement with Foreign Countries | Yes/No |
| | | (ii) In respect of Country with which no Agreement exists | Yes/No |
| | | Name of the country | |
| (d) Does the HUF have at least one member whose total income is taxable for this Assessment Year? | (Yes/No | (h) Are the accounts required to be audited under this Act or any other law? | Yes/No |
| | | If yes, whether report attached? | Yes/No |

11. In case of a firm, receipt No. & date of furnishing Form No. 11/11A/12 (Strike out whichever is not applicable)

PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME

A. SALARIES

Government Yes / No

Name(s) and Address(es) of Employer(s)

1. Salary (including all allowances)

Rs. _____

2. Less : Allowances exempt u/s 10

(a)

Rs. _____

(b)

Rs. _____

(c)

Rs. _____

Rs. _____

3. Balance (1—2)

Rs. _____

4. Add [Value of perquisite(s) and/or profits in lieu of salary]:

(a)

Rs. _____

(b)

Rs. _____

(c)

Rs. _____

(d)

Rs. _____

5. Total (3+4)

Rs. _____

6. Deduct (a) Standard Deduction

Rs. _____

(b)

Rs. _____

(c)

Rs. _____

7. Total of deductions of 6

Rs. _____

8. Income Chargeable under the Head "Salaries" (5-7)

Rs. _____

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Address(es) of the Property(ies) _____

2. Self occupied

Yes/No

3. ALV/Annual Rent

Rs. _____

4. Less (a)

Rs. _____

(b)

Rs. _____

(c)

Rs. _____

5. Total of 4

Rs. _____

6. Balance (3-5)

Rs. _____

7. Other deductions

(a) Repairs

Rs. _____

(b)

Rs. _____

(c)

Rs. _____

(d)

Rs. _____

(e)

Rs. _____

(f)

Rs. _____

(g)

Rs. _____

(h)

Rs. _____

(i)

Rs. _____

8. Total of deductions of 7

Rs. _____

9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM HOUSE PROPERTY" (6-8)

Rs. _____

C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

1. Business or Profession (other than speculation business):

Net Profit/Loss as per Profit & Loss Account

Rs. _____

2. Adjustments:

Add

Deduct

Rs. _____ Rs. _____

Rs. _____ Rs. _____

Rs. _____ Rs. _____

Rs. _____ Rs. _____

Rs. _____ Rs. _____

Rs. _____ Rs. _____

3. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
4. Balance after Adjustments in 1±3 above		Net Profit/Loss	Rs. _____
5. Share in Profit/Loss of RF(s)			Rs. _____
6. Adjustments	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
7. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
8. Balance after Adjustments in 5±7 above		Net Profit/Loss	Rs. _____
9. Share in Profit or Loss of URF / AOP / BOI	Rs. _____	Rs. _____	
	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
10. Adjustments:	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
11. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
12. Balance after Adjustments in 9±11 above		Net Profit / Loss	Rs. _____
13. Chargeable income from business or profession (Other than speculation business) (i.e. Result of 4, 8 and 12)			Rs. _____
14. Speculation Business Net Profit/Loss as per Profit & Loss Account			Rs. _____
15. Adjustments:	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
16. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
17. Chargeable Income from Speculation business (14±16)		Net Profit/Loss	Rs. _____
18. Income chargeable under the Head "Profits and gains of business or profession" (13±17)			Rs. _____

D. CAPITAL GAINS

Short-term Assets

Long-term Assets

1. Particulars of asset transferred	_____	_____	_____	_____
2. Date of Acquisition	_____	_____	_____	_____
3. Date of Transfer	_____	_____	_____	_____
4. No. of months asset held before transfer	_____	_____	_____	_____
5. Mode of Transfer	_____	_____	_____	_____
6. Full value of Consideration	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
7. Deductions:				

(i) Cost of Acquisition	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Cost of Improvement	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(iii) Cost of Transfer	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
8. Total of deductions of 7	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
9. Balance (6 – 8)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
10. Less: Other deduction(s)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
11. Balance (9 – 10)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
12. Add/Deduct: Amount deemed to be Capital Gains (Other than U/s 50) (Please specify)				
(a)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(b)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
13. Total [12(a) + 12(b)]	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
14. Total (11 + 13)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
15. Short-term Capital Gains U/S 50				Rs. _____

16. INCOME CHARGEABLE UNDER HEAD "CAPITAL GAINS":

	CAPITAL GAINS		
	Up to 15/9	16/9 to 15/12	16/12 to 31/3
SHORT-TERM CAPITAL GAINS U/S 50	Rs.-----	Rs.-----	Rs.-----
OTHER SHORT-TERM CAPITAL GAINS	Rs.-----	Rs.-----	Rs.-----
LONG-TERM CAPITAL GAINS	Rs.-----	Rs.-----	Rs.-----
TOTAL:	Rs.-----	Rs.-----	Rs.-----
			Grand Total Rs.-----

E. INCOME FROM OTHER SOURCES

1.	(a) Dividends	Rs. _____	
	(b) Interest	Rs. _____	
	(c) Winnings from lotteries, cross word puzzles, races etc.	Rs. _____	
	(d) Rental income from machinery, plants, buildings etc.	Rs. _____	
	(e) Others	Rs. _____	
2.	Total of 1 (a) to 1 (e)		Rs. _____
3.	Less: Deductions; (Please specify)		
	Depreciation	Rs. _____	
		Rs. _____	
4.	Total of deductions of 3		Rs. _____
5.	INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM OTHER SOURCES" (2-4)		Rs. _____

F. UNABSORBED LOSSES OR ALLOWANCES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS

	8th	7th	6th	5th	4th	3rd	2nd	1st	Amount(s) to be set off against current year's income (Rs.)	Indicate whether determined or as per last return	Indicate whether same business continued (Yes/No)
1.											
a. Assessment year (Please specify)											
b. Business loss											
i. Speculation											
ii. Other than Speculation											
c. Depreciation											
d. Investment Allowance											
e. Any other loss/ Allowance (Please specify)											
2. Depreciation earlier to 8th preceding Assessment Year											
									A.Y. Amount (Rs.)		

G. STATEMENT OF TOTAL INCOME

- | | | |
|---|--------------|-----------|
| 1. A. SALARIES | (Item A.8) | Rs. _____ |
| B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY | (Item B.9) | Rs. _____ |
| C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION | (Item C. 18) | Rs. _____ |
| D. CAPITAL GAINS | (Item D. 16) | Rs. _____ |
| E. INCOME FROM OTHER SOURCES | (Item E. 5) | Rs. _____ |
| 2. Total (A To E) | | Rs. _____ |
| 3. Less: Brought forward unabsorbed losses or allowances from preceding assessment years: | | |
| 1 a. _____ b.(i) _____ b.(ii) _____ c. _____ | | |
| d. _____ e. _____ 2- _____ | (Item F.) | Rs. _____ |
| 4. Gross Total income (2-3) | | Rs. _____ |
| 5. Less: Deductions under Chapter VI-A: | | |

(Please specify)	Gross Amount (a) (Rs.)	Qualifying Amount (b) (Rs.)	Deductible Amount (c) (Rs.)
Total		Total of (c)	Rs.

- | | |
|---|--|
| 6. Total Income (4+5) | Rs. _____ |
| 7. Total Income (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees)
(In words) | Rs. _____
Lacs Thousands Hundreds Tens
_____ |
| 8. Net Agricultural Income for rate purposes | Rs. _____ |
| 9. Income included in items A to E being income arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of persons. | Rs. _____ |
| 10. Name & relationship of such person _____ | |
| 11. Income included in items A to E which is chargeable to tax at special rates | Rs. _____ |

PART-II--STATEMENT OF TAXES

- | | | | |
|--|----------------------|----------|----------------|
| 1. Tax on Total Income | (a) At Special rates | Rs. | |
| | (b) At normal rates | Rs. | Total Rs. |
| 2. Less : (a) Rebate Under sections 88 and 88A : | | | |

[illegible]

(b) Rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income-tax		Rs.	
(c) Relief Under Section 89(1)		Rs.	Total Rs.
3. Balance (1—2)			Rs.
4. Add			
(a) Interest on Late filing of return	Rs.		
(b) Interest for default in payment of Advance tax	Rs.		
(c) Interest for deferment of Advance tax	Rs.		Total Rs.
5. TOTAL TAX AND INTEREST PAYABLE (3 + 4)			Rs.
6. Prepaid Taxes	(A) Advance tax Instalments (Attach Challans)		

Amount Rs.	1st	2nd	3rd	Total
Date				
Name of Bank				
Branch				

(B) Tax Deducted/Collected at Source from [Attach certificate(s)] :

(a) Salaries	Rs.
(b) Interest	Rs.
(c) Dividends	Rs.
(d) Any other income (Please specify)	Rs.
(e) Total [(a) to (d)]	Rs.

7. Tax on Self-assessment (Attach challan)

Date of Payment	Amount		
	Income-tax	Interest out of 4 above	Total
19	Rs.	Rs.	Rs.

8. Other prepaid taxes, if any (Please specify and attach proof)

Rs.

9. TOTAL (6 to 8)

Rs.

10. TAX/INTEREST PAYABLE OR REFUND DUE (i.e. Difference of 5 & 9)

Rs.

PART-III— INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

1. General Particulars :

a. Name in which business/profession is carried on

b. Name(s) and address(es) of branch(es)

c. Nature of business or profession

d. Method of Accounting : Mercantile/Cash/Mixed

e. Method of Stock Valuation

2. In the case of a Firm/AOP/BOI, please furnish following additional information :

S. No.	Name of the partner/ member	Share of profit ratio	Interest paid to partner/ member	Salary/remuneration paid to partner/ member	Commission/Bonus paid to partner/ member
(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)

3. Amount deducted in computing income from Profits and Gains of Business or Profession

S. No.	Particulars	Amount (Rs.)	S. No.	Particulars	Amount (Rs.)
(a)	Depreciation	(g)
(b)	(h)
(c)	(i)
(d)	(j)
(e)	(k)
(f)	(l)

PART-IV - INCOME CLAIMED/EXEMPT

Nature of Income	Amount (Rs.)	Reasons for claim
1. (a)		
(b)		
(c)		
(e)		

PART-V LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. (a)	
(b)	
(c)	
(d)	
(e)	
(f)	
(g)	
(h)	
(i)	

VERIFICATION

I.....(name in full and block letters)* son/daughter/wife of solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19

*I further solemnly declare that during the said previous year(s) —

- (a) no other income accrued for arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
 (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income tax Act, 1961.

*I further solemnly declare that during the said previous year(s) —

- (a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in *the name of the person or and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
 (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as.....(designation) and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

Date.....

**(Name and Signature)

*Strike out whichever is not applicable.

**Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement in the return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under that section with rigorous imprisonment and with fine.

INCOME-TAX DEPARTMENT

ITS.2

NOTES (TO BE DETACHED AND RETAINED BY THE ASSESSEE)

Form No. 2

[Income-tax Act, 1961/Rule 12(1)(b)(i)]

General

- I. Form No.2 is for assesses (other than companies and those claiming exemption under section 11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in the manner provided hereunder. If any Part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and do not put any other mark or symbol. Please do not use the phrase 'As per Record' or words to that effect.
- III. The numbers given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. In case space provided under any Head of Income is found insufficient, then give computation in respect of each such source of income on separate sheet(s) using the columns indicated for that purpose under the relevant Head of Income in the Return Form. The sum totals of such computation done should be indicated in the columns provided under the relevant Head in the Return Form. Similarly, any other information asked for in this Form, which cannot be completely furnished on account of paucity of space, may be furnished on a separate sheet.
- V. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.

Page-1

1. Strike out whichever is not applicable. If it is return for assessment year 1991-92 being filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, e.g. ORIGINAL. Similarly, to indicate a return being filed in response to a notice issued under S.142(1)(i) leave 'Original' and U/s 142(1)(i) as it is and strike out the rest.
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1-4-1990 to 31-3-1991, the assessment year will be 1991-92.)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return. Example : If the original return is filed on 15-06-1991, for which the Department had issued receipt No. 4210, it should be indicated in the boxes as :

| 4 2 | 0 — 1 5 — 0 6 — 1 9 9 1 |

4. The Permanent Account Number given to the tax payer and Ward/Circle/Range are to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED in the first row of boxes and mention Income-tax Ward/Circle/Range where assessed or assessable in the lower row of boxes after ascertaining the same from the Public Relation Officer or at the Receipt Counter of the Income-tax Office.
5. Write your name using block letters. Surname should be given first, wherever applicable. Leave one box blank after each limb. Example : for Satya Prakash Sharma, write

| S H A R M A | S A T Y A | P R A K A S H |

6. For indicating the status, please use one of the following codes :

(a)	Individual	01
(b)	Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c)	Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs.22,000.	03
(d)	Unregistered Firm	04
(e)	Registered firm (other than the one engaged in profession)	05
(f)	Registered firm engaged in profession	06

(g) Association of persons (AOP)	07
(h) Association of persons (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOI)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with total income exceeding Rs.22,000, the correct code will be 03.

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status :—

Resident	01
Non-resident	02
Resident but not ordinarily resident	03

Relevant provisions are in Section 6.

8 & 9. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes then Telephone Numbers if any.

10. Strike out whichever is not applicable.

11. Please mention receipt No. and date of filing Form No.11/11A/12, as the case may be, in the given space.

Page-2 Part -I

A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'NO'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished [e.g. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity and house rent and all other cash allowances excepting value of perquisites and profits in lieu of salary]. Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 15 & 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier year(s) as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.
3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).
4. Add the value of perquisites (other than those mentioned in column 2) and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s). If the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be :

- (i) Free or concessional accommodation - Section 17(2)(i) and (ii)
- (ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii):
 - (a) Conveyance—rule 3(c)
 - (b) Gas, electricity, water—rule 3(d)
 - (c) Domestic or personal services
 - (d) Personal travelling
 - (e) Any other item (give details)

(iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(iv) and (v).

5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate (s)
6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately, e.g. :
 - Standard deduction : A sum equal to 33-1/3% of the salary or twelve thousand rupees whichever is less, is allowed in computing income under the head "Salaries".
 - Entertainment allowance—Section 16(ii)
 - Tax on Employment—Section 16(iii)
7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.
8. Indicate here the income chargeable under the head "SALARIES".

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property, please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.
2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No', as the case may be.
3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each such property using the columns indicated here.
4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here, such as :
 - (a) Municipal Taxes : Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.
 - (b) New construction allowance. The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).
 - (c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).
Specify each item of deduction separately alongwith the amount claimed deductible thereunder.
5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.
6. Indicate here the balance (i.e. 3-5).
7. Indicate here the deduction(s) claimed u/s 24 (specifying each item separately), such as :
 - (i) Repairs—The assessee is entitled to one sixth of the annual value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i).
 - (ii) Insurance—Section 24(1)(ii).
 - (iii) Annual Charge—Section 24(1)(iv).
 - (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
 - (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
 - (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
 - (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the annual value, whichever is less)—Section 24(1)(viii)
 - (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
 - (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)
8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.

9. The income chargeable under the head "INCOME FROM HOUSE PROPERTY" (i.e. 6—8) is to be indicated here.

[Page—3

C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

1. Business or Profession (other than speculation business)

Please furnish with the Return following documents/information material to computation of income:

- I. If regular books of account are maintained, copies of—
 - (a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet.
 - (b) in the case of—
 - (i) a proprietary business or profession, the personal account of the proprietor ;
 - (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members.
 - (c) where the accounts of the assessee have been audited, copies of the audited profit and loss account and balance sheet and the auditor's report and the cost audit report (if applicable).
- II. If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turnover or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business or profession and the basis on which such amounts have been computed, and also disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, value of stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year.
- III. (a) (i) If the accounts are audited under section 44AB, the report of such audit together with the requisite particulars.
- (ii) In case the assessee has claimed deduction under Section 80HHC in respect of profits retained for export business, the report of the accountant relating to the deduction together with the requisite particulars.
- (iii) In case the assessee has claimed deduction under section 32AB or 33AB or 80HHA or 80HHD, report(s) of the accountant in respect of the deduction(s) so claimed.
- (b) In case the provisions of sections 44AC, 44B, 44BB and 44BBA are applicable, details regarding the same.
- IV. Additional information to be furnished by assessee engaged in contract work : If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, please attach a statement showing the value of materials and the amount of security deposit.
- V. Additional information to be furnished by producers of cinematograph films : Please indicate whether the statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films has been delivered to the concerned Assessing Officer under section 285B.
- VI. In case of a dealer, broker, agent or any other person concerned in the management of a stock or commodity exchange, he should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he or the exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums :
 - (a) In excess of Rs. 2,000 by way of 'difference'.
 - (b) in excess of Rs.10,000 in connection with the transfer, whether by way of sale, exchange or otherwise, of assets, or on whose behalf or from whom he or the exchange has received any sum together with particulars (amount, date, etc. of such payments and receipts).

- VII. If the assessee has 'paid during the previous year, rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, separate statement (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid should be furnished in a separate sheet alongwith return. If any payee is a non-resident, it should be indicated whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government or not. Also please attach statement containing names of persons and gross amounts in cases of sales and purchases exceeding Rs.10,000 in value.
- VIII. If the assessee is liable to deduct tax at source under section 192, 193, 194A, 194B, 194BB, 194C, 194D, 194E or 195, state whether the prescribed returns have been furnished to the concerned Assessing Officer and indicate the date(s) of furnishing such return(s).

Net Profit/Loss as per Profit and Loss Account

Give here the profit/loss as per Profit & Loss Account from business/profession (other than speculation business). Where the assessee has more than one business/profession, or has any deemed income or income from a discontinued business/profession, computation for each such business/profession should be given in separate sheets (using the same format as given in this sub-part) and attached to the return.

2. Adjustments :

- A. Please indicate additions and deductions of amounts which have not been adjusted in the Profit and Loss Account in accordance with Sections 28 to 44C.
- B. Also please furnish with the Return :
- I. Particulars in respect of depreciation allowance ;
- (a) in respect of each block of assets :
- (i) description of assets forming part of the block in the beginning of the previous year, their written down value, description and cost of assets purchased during the year and the description and sale price of any asset sold during the year ;
- (ii) written down value at the end of the year ;
- (iii) the rate at which depreciation claimed and the amount of depreciation ;
- (b) Description of assets forming part of the block of assets eligible for 100% depreciation during the year. Also state whether any of these assets were sold during the year and if so, the break-up of the sale price in respect of each such asset.
- (c) Description of assets forming part of the block of assets which exists but whose written down value has been reduced to NIL as the full value of the consideration received on the transfer of any asset forming part of the block during the year exceeds the written down value of the said block at the beginning of the year together with the cost of any asset of that block purchased during the year.
- II. Particulars in respect of Investment allowance/Investment deposit account :
- (a) Details of ship or aircraft or plant or machinery purchased during the year on which Investment allowance has been claimed and the rate thereof (Also attach supporting evidence of acquiring the asset).
- (b) Details of deposit(s) made with Development Bank in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 [section 32AB(1)(a)] [attach proof of deposit(s)].
- (c) Details of ship or aircraft or plant or machinery purchased on which deduction under Investment deposit account claimed [Section 32AB(1)(b)] (attach supporting evidence for the purchase).
- (d) Details of assets purchased out of the withdrawals made in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 or the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea). [Attach supporting evidence for the purchase of the new asset, the amount(s)]

withdrawn from the Industrial Development Bank of India or the National Bank for Agriculture and Rural Development, as the case may be, and the date(s) of the withdrawal(s).

- (e) Details of expenditure incurred out of the amount(s) withdrawn from National Bank for Agriculture and Rural Development in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea), giving the break-up of the amount and the date(s) of the withdrawal(s).

3. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
4. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 1 and 3) should be indicated here.
5. 'Share in Profit/Loss of RF(s)' : The space provided is for indicating share from one firm. In case, assessee is a partner in more than one Registered Firm, then mention such share in profit/loss of Registered Firms on separate sheet(s) using the same columns as indicated here and attach that to the Return. Also please attach copy/copies of personal account(s) in the firm(s).
6. Adjustments : Under 'Add' and 'Deduct' columns, mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profit/loss of RF shown in 5 above and not already adjusted in the case of such RF.
7. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add & Deduct columns.
8. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 5 and 7) should be indicated here.
9. I. Please mention here Share in Profit or Loss of URF/AOP/BOI separately in the given space and take the sum total of all these to the outer column. (Strike out whichever is not applicable). If the space provided is insufficient, use a separate sheet and attach that to the return. Where such income is not included here in the income of the assessee e.g. incomes falling in clause (a) of the proviso to section 86(v), the details thereof and reasons for non-inclusion should be mentioned on a separate sheet and attached to the return. Further, it may be clarified whether the said share is to be included in the total income for rate purposes only or otherwise. If there is a loss, please exclude losses falling under section 77(2).
- II. Assessee should also furnish with the Return :
 - (i) If a partner in an URF or a member of an AOP/BOI, his personal account(s) in such URF/AOP/BOI.
 - (ii) Complete details regarding discontinued business/profession on a separate sheet.
 - (iii) Details of the amount(s) deemed to be his income under Section 32A/32AB/33AB/80HHD(5).
 - (iv) If the assessee has received income from his employee as contribution to any fund specified in section 2(24)(x) during the previous year, which is chargeable to tax under the head 'Profits and Gains of Business or Profession' or 'Income from Other Sources' details of such income as well as of sums credited by the assessee to the employee's account in the relevant funds on or before the due date mentioned in section 36(1)(va).
- III. If the space provided is insufficient, then mention details on a separate sheet and attach that to the Return.
10. Under 'Add' and 'Deduct' columns mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in Profit/Loss of URF/AOP/BOI shown in 9 above and not already adjusted in the case of URF/AOP/BOI.
11. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add & Deduct columns.
12. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 9 and 11) should be indicated here.
13. Indicate here the result of 4, 8 & 12 [i.e. 'RESULTANT INCOME OR LOSS FROM BUSINESS OR PROFESSION' (OTHER THAN SPECULATION BUSINESS)].

14. Mention the amount of income from Speculation Business. If this represents share from RF/URF/AOP/BOI then it should be clearly stated and complete details of such RF/URF/AOP/BOI, such as the names of partners/members, their profit sharing ratios and copy of personal account of the assessee in such RF/URF/AOP/BOI should also be furnished and attached to the Return.
15. Adjustments : Please indicate additions and deductions of amounts which have either not been adjusted in the Profit and Loss Account, or if adjusted, these are higher or lower than the admissible amounts. Additions/deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profit/loss of RF/URF/AOP/BOI and not already adjusted in the case of such RF/URF/AOP/BOI should also be indicated here.
16. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add & Deduct columns.
17. Indicate here the chargeable INCOME FROM SPECULATION BUSINESS (i.e. the adjusted balance of 14 and 16).
18. Indicate here the "INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION" (i.e. 13+17). In case the amount at 17 is a loss then the same cannot be adjusted against 13. In that case the amount at 13 should be repeated at 18.

Page 4 D. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short-term and long-term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short term/long term assets separate computation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
2. Indicate here the date of acquisition of the asset by the assessee.
3. Give here the date on which the asset has been transferred.
4. Please indicate in months the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
5. Please indicate which of the following modes of transfer is involved :
 - (i) the sale, exchange or relinquishment of the asset; or
 - (ii) the extinguishment of any rights therein; or
 - (iii) the compulsory acquisition thereof under any law; or
 - (iv) in a case where the asset is converted by the owner thereof into, or is treated by him as, stock-in-trade of a business carried on by him, such conversion or treatment; or
 - (v) any transaction involving the allowing of the possession of any immovable property to be taken or retained in part performance of a contract of the nature referred to in section 53A of the Transfer of Property Act, 1882 (4 of 1882); or
 - (vi) any transaction (whether by way of becoming a member of, or acquiring shares in, a co-operative society, company or other association of persons or by way of any agreement; or any arrangement or in any other manner whatsoever) which has the effect of transferring, or enabling the enjoyment of, any immovable property.

In case of compulsory acquisition, please mention on a separate sheet the Act under which the said acquisition has been made as also the dates of Notification and Possession of the property by the concerned Authority.
6. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.
7. Please indicate here :
 - (i) Cost of Acquisition : It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).

- (ii) Cost of Improvement : It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in, improving the asset—Section 55(1)(b).
- (iii) Cost of transfer : It is the cost in connection with the transfer of the assets—Section 48(1)(a)(i)
8. The sum total of deductions of 7 is to be indicated here.
9. Indicate here the balance amount (6-8). If this results in a loss, indicate it by a minus (—) symbol.
10. Other deductions : The deductions admissible against short-term and long-term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). If the balance at 9 in relation to any Long-Term Capital Asset is a loss, the amount of such loss should be arrived at in accordance with the provisions of Section 48(3).
- The admissible deductions are :
- I. Short-term capital gains :
- (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1), or 54G(1)
- (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2) or 54G(2)
- II. Long-term capital gains :
- (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1) or 54G(1)
- (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2)
- (iii) Under Section 48(2).
11. Please indicate here the balance amount (9-10). If the balance of 9 is a loss, the same should be repeated here.
12. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' (other than u/s 50) should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)/(3)/(4)/(5), 54(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
13. The total amount of deemed capital gains (other than u/s 50) is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short term and long term assets.
14. Indicate here the net result of 11 and 13 separately for short term and long term capital gains.
15. Indicate here the Short-term Capital Gains u/s 50. The relevant details thereof should be mentioned on a separate sheet and attached to the Return.
16. The period-wise amount(s) of Short-term Capital Gains u/s 50, Other Short-term and Long-term Capital Gains/Losses under the head "CAPITAL GAINS" should be indicated in the inner columns and the aggregate amount of these in the Grand Total.

E. INCOME FROM OTHER SOURCES :

1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information :
- (i) name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividend; (vi) tax deducted at source.
- If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.
- Please attach dividend warrants and other supporting evidence.
- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.

- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, cross word puzzles and races, etc. and attach supporting evidence. Please attach separate computation if there are two or more items.
 - (d) Indicate here the income from machinery, plant or furniture let on hire and also such income from building where its letting is inseparable from the letting of the said machinery, plant or furniture if it is not chargeable to Income-tax under the head "Profits and gains of Business or Profession".
 - (e) Specify other incomes chargeable under the head "Income from Other Sources".
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
 3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.
 4. The total of deductions claimed should be indicated here.
 5. The income chargeable under the head "INCOME FROM OTHER SOURCES" is to be given here.

F. UNABSORBED LOSSES OR ALLOWANCES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS.

1. Give here details of unabsorbed losses or allowances brought forward from the eight Assessment Years immediately preceding the Assessment Year for which the Return is being filed. If the space provided is found insufficient, give the details on a separate sheet using the columns indicated here and attach that to the Return.

In case where profits are insufficient to absorb brought forward losses/allowances and current depreciation, the same should be deducted, subject to the latest decision of the Supreme Court, in the following order :

Current scientific research expenditure [section 35(1)]
 Current depreciation [section 32(1)]
 Brought forward business losses [section 72(1)]
 Unabsorbed family planning promotion capital expenditure [section 36(1)(ix)]
 Unabsorbed depreciation [section 32(2)]
 Unabsorbed scientific research capital expenditure [section 35(4)]
 Unabsorbed development allowance [section 33A(2)(ii)]
 Current development allowance [section 33A(2)(i)]
 Unabsorbed investment allowance [section 32A(3)(ii)]
 Current investment allowance [section 32A(3)(i)]

2. Indicate here unabsorbed depreciation pertaining to the period earlier to the eighth preceding Assessment Year.

G. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to E. These should be same as shown against items A.8 and B.9 at page 2 item C.18 at page 3 and items D.16 and E.5 at page 4 respectively.
2. The sum total of A to E should be indicated here.
3. Indicate here the Unabsorbed Losses and/or Allowances brought forward from preceding assessment years as claimed in item F. at page 5 of the Return to be set off against current year's income.

4. The Gross Total Income chargeable to tax (2-3) is to be given here

5. I. The deduction(s) which the assessee wants to claim under Chapter VI-A should be indicated here.

II. Please give the itemwise gross amount of payment/contribution the qualifying amount and the net amount deductible. If the space provided is insufficient give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.

III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to :

- (i) Deposits under the National Savings Scheme 1987 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @ 100% subject to the ceiling of Rs. 40,000/-. (Section 80CCA).
- (ii) Investment made under Equity Linked Saving Scheme. This is deductible @ 100% subject to the ceiling of Rs. 10,000/- (Section 80CCB)
- (iii) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling is Rs. 3,000/- in respect of premium for Medical insurance. (Section 80D)
- (iv) Deduction in respect of expenditure incurred for medical treatment etc. of handicapped dependant(s). The ceiling is Rs. 6000/-. (Section 80DD).
- (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate of the sums exceeds Rs.250/-. The over-all ceiling is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
- (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for a deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs.1000/- p.m or 25% total income, whichever is less. (Section 80GG)
- (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources or any sum paid for afforestation is available at 100% under Section 80GGA.
- (viii) 20 per cent. of profits and gains from newly established industrial undertakings or hotel business in backward areas subject to certain conditions. (Section 80HH).
- (ix) 20 per cent. of profits and gains from newly established small scale industrial undertakings in certain areas subject to certain conditions. (Section 80HHA).
- (x) 50 per cent. of profits and gains from projects outside India subject to certain conditions. (Section 80HHB)
- (xi) 100 per cent. of profits and gains derived from export of specified goods or merchandise if sale proceeds are receivable in convertible foreign exchange subject to certain conditions (Section 80HHC)
- (xii) Income of approved hotels or of travel agents or of tour operations for services provided to foreign tourists if receipts are in convertible foreign exchange to the extent of 50 per cent. of profits from such services plus balance of such profits of the relevant previous year as is debited to the profit and loss account and credited to a reserve account—subject to certain conditions and specified purposes. (Section 80HHD).
- (xiii) 20 per cent. of profits and gains from industrial undertakings, etc. set up after 31-3-1981 (25 % of profits and gains from newly established industrial undertakings, etc. set up after 31-3-1990) subject to certain conditions (Section 80-I)
- (xiv) Deduction in respect of profits and gains from newly established industrial undertakings or ships or hotel business in certain cases (Section 80J)

- (xv) 33-1/3% of profits and gains derived from the business of poultry farming. (Section 80JJ)
 - (xvi) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits on shares, units etc is eligible for deduction upto over all ceiling of Rs.13,000/-. (Section 80L)
 - (xvii) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions (Section 80-P)
 - (xviii) 25 per cent. of professional income of authors of text books in Indian languages subject to certain conditions. (Section 80QQA)
 - (xix) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80R)
 - (xx) Professional income from certain foreign sources in the case of authors, playwrights, artists, musicians, actors or sportsmen (including athletes). The overall ceiling is 50% of the income or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RR)
 - (xxi) Remuneration received for services rendered outside India—The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations whichever is higher. (Section 80RR A)
 - (xxii) Deduction of Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U).
6. The Total Income chargeable to tax (4—5) is to be given here.
 7. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
 8. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
 9. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
 10. Give here the name and relationship of such other person(s).
 11. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc. or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provisions of the Act.

Page-6

PART-II

STATEMENT OF TAXES

1. The total tax payable on the total income is to be given here.
2. Indicate here—
 - (a) rebate claimed U/Ss 88 and 88A. These are :
 1. Section 87 of the Act envisages that in computing the amount of Income-tax on the total income of an assessee with which he is chargeable for any assessment year, there shall be allowed from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deduction under Chapter VIII) in accordance with and subject to the provisions of sections 88 and 88A, the deductions specified in those sections.

If further provides that the aggregate amount of the deductions under section 88 or section 88A shall not, in any case, exceed the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on the total income of the assessee with which he is chargeable for any assessment year.

H. Provisions of Sections 88 and 88A are applicable to an assessee, being—

- (a) an individual, or
- (b) a Hindu undivided family, or
- (c) an association of persons or a body of individuals consisting in either case, only of husband and wife governed by the system of community of property in force in the State of Goa and the Union territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu.

U/S 88 : Under this section, an assessee shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20% of the aggregate of sums referred to in sub-section(2) thereof.

These sums are—

Payments towards life insurance premium, provident fund, contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government, Bank etc. for purchase/construction of residential house property. Overall ceiling on qualifying amounts are Rupees 70,000/- in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete and Rs. 50,000/- in the case of an Individual or a Hindu undivided family or an Association of Persons or a Body of Individuals.

Total of Rebate claimed U/S 88 should be indicated in item 2.(a) (i) Total.

U/S 88A : Under this section, an assessee who has acquired certain new shares or units in the previous year out of his income chargeable to tax shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20 % of the cost of such shares or units to such assessee.

These shares and units are—

- (i) equity shares forming part of any eligible issue of capital; or
- (ii) units issued under any scheme of any Mutual Fund specified under clause (23D) of section 10 or of the Unit Trust of India, established under section 3 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), if the amount of subscription to such units is subscribed, within a period of six months from the close of subscription under such scheme, only to eligible issue of capital.

Maximum qualifying amount in relation to which an assessee can claim rebate under this section is Rs. 25,000/-

Total of Rebate claimed U/S 88A should be indicated in item 2.(a)(ii) Total.

Total of amounts at 2.(a)(i) and 2.(a)(ii) should be indicated in item 2.(a)(iii).

(b) rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income-tax. Please attach the details of computation of such rebate(s).

(c) relief under Section 89(1). Please attach the details.

Total of amounts of 2.(a), (b) and (c) may please be indicated in the outer column Total.

3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1—2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or default of advance-tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (A) advance tax instalments and (B) tax deducted/collected at source in the respective columns. Tax collected at source under section 206C may be indicated against 'any other income'.

7. Give details of the tax and interest paid on self assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of Tax/Interest paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The Tax/Interest payable or refund due, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus (—) symbol.

Page—7 Part-III

INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

1.
 - (a) Give full name(s) in which the business/profession is carried on and the address(es) thereof. If the space provided is insufficient, please mention such name(s) and address(es) on a separate sheet and attach that to the return.
 - (b) Give full name(s) and address(es) of the branch(es).
 - (c) In case of a business, please specify whether it is Trading/Manufacturing/Wholesale/Retail sale/Export/Import etc. and the main item(s) dealt with. If profession, mention the name of the profession.
 - (d) Tick the relevant and strike out others.
 - (e) Please mention whether it is 'cost' or 'market price' or 'otherwise'. If 'otherwise', give its name and method.
2. Please give here complete information in the appropriate columns.
3. I. Give here specific particulars of the deductions claimed in computing income from Profits and Gains of Business or Profession. If a deduction in respect of Investment Deposit Account is claimed, please attach necessary certificate(s).
- II. Please indicate in the space provided, deduction claimed on account of depreciation. Use the remaining space for indicating deductions admissible in relation to :

Item	Section
(i) Investment allowance	32A
(ii) Investment Deposit Account	32AB
(iii) Development allowance	33A
(iv) Tea Development allowance	33AB
(v) Rehabilitation allowance	33B
(vi) Expenditure on scientific research	35
(vii) Expenditure on acquisition of patent rights or copyrights	35A
(viii) Expenditure on know-how	35AB
(ix) Payment to association and institution :	
(a) for carrying out rural development programmes	33CCA
(b) for carrying out programmes of conservation of natural resources or afforestation	35CCB
(x) Amortization of preliminary expenses	35D
(xi) Expenditure on prospecting for certain minerals	35E
(xii) Bonus to employees	36(1)(ii)
(xiii) Interest on borrowed capital	36(1)(iii)

(xiv) Bad debts	36(1)(vii)
(xv) Entertainment expenditure	37
(xvi) Expenditure on :	
(a) advertisement	37
(b) travelling	37

Page—8 Part-IV

INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Income claimed exempt should be indicated here. For an item of income claimed exempt, please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

Part—V

LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.

VERIFICATION

Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated. Please attach the document of power of attorney alongwith the return, wherever necessary.

FORM NO. 3

RETURN OF INCOME (SEE RULE 12(1)(b)(iii))

Receipt No. _____

Date _____

[For assessee (other than companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession"]

[PLEASE READ THE ATTACHED NOTES CAREFULLY BEFORE FILLING THIS FORM]

1. ORIGINAL/REVISED/U/S 142(1)(i)/148/237

2. Assessment Year 19 _____

3. If revised, Receipt No. and
date of filing of original return

4. PAN/
GIR No.

19 Ward /Circle/
Range

6. Status _____

7. Residential Status _____

5. Name (Surname First) (in Block letters)

8. Office Address (in Block letters)

Telephone _____

Pin _____

9. Residential Address (in Block letters)

.....

.....

.....

Telephone

Pin

10. Please indicate :

- | | | | |
|--|--------|--|--------|
| (a) Are you a citizen of India ? | Yes/No | (e) Is this your first Assessment ? | Yes/No |
| (b) Are you a person of Indian origin? | Yes/No | (f) Are you assessed to Wealth-tax? | Yes/No |
| (c) Are you an NRI in whose case any part of income is to be taxed in accordance with the provisions of Chapter XIII A ? | Yes/No | (g) Have you claimed any Double Taxation Relief ? | Yes/No |
| | | (h) Under Agreement with Foreign Countries | Yes/No |
| (i) If yes, please file the details in a separate sheet | | (ii) In respect of country with which no Agreement exists; | Yes/No |
| (d) Does the HUF have at least one member whose total income is taxable for this Assessment year ? | Yes/No | Name of the country | _____ |

PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDING IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME

A. SALARIES

Government Yes/No

Name(s) and Address(es) of Employer(s)

- | | | |
|--|-----------|-----------|
| 1. Salary (including all allowances) | | Rs. _____ |
| 2. Less : Allowances exempt u/s 10 | | |
| (a) | Rs. _____ | |
| (b) | Rs. _____ | |
| (c) | Rs. _____ | Rs. _____ |
| 3. Balance (1-2) | | Rs. _____ |
| 4. Add [Value of perquisite(s) and/or profits in lieu of salary] : | | |
| (a) | Rs. _____ | |
| (b) | Rs. _____ | |
| (c) | Rs. _____ | |
| (d) | Rs. _____ | |
| 5. Total (3+4) | | Rs. _____ |
| 6. Deduct (a) Standard Deduction | Ts. _____ | |
| (b) | Rs. _____ | |
| (c) | Rs. _____ | |
| 7. Total of deductions of 6 | | Rs. _____ |
| 8. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "SALARIES" (5-7) | | Rs. _____ |

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

- | | | |
|--------------------------------------|--------|--------------------|
| 1. Address (es) of the Property(ies) | _____ | |
| | _____ | |
| 2. Self-occupied | Yes/No | 3. ALV/ANNUAL RENT |
| 4. Less (a) | | Rs. _____ |
| (b) | | Rs. _____ |
| (c) | | Rs. _____ |
| 5. Total of 4 | | Rs. _____ |

6. Balance (3-5)	Rs. _____
7. Other deductions	
(a) Repairs	Rs. _____
(b)	Rs. _____
(c)	Rs. _____
(d)	Rs. _____
(e)	Rs. _____
(f)	Rs. _____
(g)	Rs. _____
(h)	Rs. _____
(i)	Rs. _____
8. Total of deductions of 7	Rs. _____
9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM HOUSE PROPERTY" (6-8)	Rs. _____

C. CAPITAL GAINS

	Short-term Assets		Long-term Assets	
1. Particulars of asset transferred				
2. Date of Acquisition				
3. Date of transfer				
4. No. of months asset held before transfer				
5. Mode of Transfer				
6. Full value of Consideration	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
7. Deductions :				
(i) Cost of Acquisition	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Cost of Improvement	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(iii) Cost of Transfer	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
8. Total of deductions of 7	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
9. Balance (6-8)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
10. Less : Other deduction(s)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
11. Balance (9-10)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
12. Add/Deduct :				
Amount deemed to be Capital Gains (Other than U/s. 50) (Please specify)				
(a)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(b)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
13. Total [12(a)+12(b)]	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
14. Total (11-13)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
15. Short-term Capital Gains U/S 50				Rs. _____

16. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "CAPITAL GAINS":

	Upto 15/9	16/9 to 15/12	16/12 to 31/3
SHORT-TERM CAPITAL GAINS U/S 50	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
OTHER SHORT-TERM CAPITAL GAINS	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
LONG-TERM CAPITAL GAINS	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
Total	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____ Grand Total Rs. _____

D. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Dividends	Rs. _____
(b) Interest	Rs. _____
(c) Winnings from lotteries, cross Word puzzles, races etc.	Rs. _____

(d) Rental income from machinery, plants, buildings etc.	Rs. _____	
(e) Others	Rs. _____	
2. Total of 1(a) to 1(e)		Rs. _____
3. Less : Deductions; (Please specify)		
Depreciation	Rs. _____	
	Rs. _____	
4. Total of deductions of 3		Rs. _____

5. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM OTHER SOURCES" (2-4)

E. UNABSORBED LOSSES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS

	8th	7th	6th	5th	4th	3rd	2nd	1st		Amount(s) to be set off against current Year's Income (Rs.)	Indicate whether determined or as per Last return
1. _____											
a. Assessment year (Please specify)									Total		
b. Capital gains loss											
c. Any other loss											

F. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. A. SALARIES	(Item A.8)	Rs.
B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY	(Item B.9)	Rs.
C. CAPITAL GAINS	(Item C.16)	Rs.
D. INCOME FROM OTHER SOURCES	(Item D.5)	Rs.
2. Total (A to D)		Rs.
3. Less : Brought forward unabsorbed losses from earlier years :		
1. a. b. 1 a. c.	(Item E.)	Rs.
4. GROSS TOTAL INCOME (2-3)		Rs.
5. Less : Deductions under Chapter VI-A :		

(Please specify)	Gross Amount (a) (Rs.)	Qualifying Amount (b) (Rs.)	Deductible Amount (c) (Rs.)	
_____	_____	_____	_____	
_____	_____	_____	_____	
_____	_____	_____	_____	
_____	_____	_____	_____	
Total	_____	_____	Total of (c)	Rs.

6. TOTAL INCOME (4-5)	Rs.
7. TOTAL INCOME (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees)	Rs.
(In words)	Lacs Thousands Hundreds Tens

8. NET AGRICULTURAL INCOME FOR RATE PURPOSES	Rs.
9. Income included in items A to D being in some arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of persons.	Rs.
10. Name & relationship of such person	_____

8. Other prepaid taxes, if any (Please specify and attach proof)	Rs.....
9. Total (6 to 8)	Rs.....
10. TAX/INTEREST PAYABLE OR REFUND DUE (i.e. Difference of 5 & 9)	Rs.....

PART-III INCOME CLAIMED EXEMPT

Nature of Income	Amount (Rs.)	Reasons for claim
1.		
(a)		
(b)		
(c)		
(d)		

PART-IV LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

- 1.
- (a)
- (b)
- (c)
- (d)
- (e)
- (f)
- (g)
- (h)
- (i)

VERIFICATION

I.....(name in full and block letters)* son/daughter/wife of.....
solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19

*I further solemnly declare that during the said previous year(s)-

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income tax Act, 1961.

*I further solemnly declare that during the said previous year(s)-

- (a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in *the name of the person for and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as.....(designation)
and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

Date.....

**(Name and Signature)

*Strike out whichever is not applicable.

**Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement in the return or the accompanying annexures or statement shall be liable to prosecution under section 227 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under the section with rigorous imprisonment and with fine.

INCOME-TAX DEPARTMENT

IT S. 3

NOTES (TO BE DETACHED AND RETAINED BY THE ASSESSEE)

[NOTES (To be detached and retained by the Assessee)]

FORM NO. 3

(Income-tax Act, 1961/Rule 12(1)(b)(iii)]

General

- I. Form No. 3 is for assessee (other than, companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in the manner provided hereunder. If any Part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and do not put any other mark or symbol. Please do not use the phrase 'As per Record' or words to that effect.
- III. The numbers given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. In case space provided under any Head of Income is found insufficient, then give computation in respect of each such source of income on separate sheet(s) using the columns indicated for that purpose under the relevant Head of Income in the Return Form. The sum totals of such computation done should be indicated in the columns provided under the relevant Head in the Return Form. Similarly, any other information asked for in this Form, which cannot be completely furnished on account of paucity of space, may be furnished on a separate sheet.
- V. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.

Page-

1. Strike out whichever is not applicable. If it is a return for assessment year 1991-92 being filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, e.g. ORIGINAL. Similarly, to indicate a return being filed in response to a notice issued under S. 142 (1)(i) leave 'original' and U/S 142(1)(i) as it is and strike out the rest.
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1-4-1990 to 31-3-1991, the assessment year will be 1991-92.)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return. Example: If the original return is filed on 15-06-1991, for which the Department had issued receipt No. 4210, it should be indicated in the boxes as:

4	2	1	0	—	1	5		0	6	—	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the taxpayer and Ward/Circle/Range are to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED in the first row of boxes and mention Income-tax Ward/Circle/Range where assessed or assessable in the lower row of boxes after ascertaining the same from the Public Relation Officer or at the Receipt Counter of the Income-tax Officer.

5. Write your name using block letters: Surname should be given first, wherever applicable. Leave one box blank after each limb. Example: for Satya Prakash Sharma, write

S H A R M A

S A T Y A

P R A K A S H

6. For indicating the status, please use one of the following codes:

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 22,000.	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered firm (other than the one engaged in profession)	05
(f) Registered firm engaged in profession	06
(g) Association of persons (AOP).	07
(h) Association of persons (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOI)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with total income exceeding Rs. 22,000/- the correct code will be 03.]

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status:—

Resident.01. Non-resident. ...02 Resident but not ordinarily resident. ...03
Relevant provisions are in Section 6.

- 8 & 9. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes and Telephone Numbers, if any.

10. Strike out whichever is not applicable.

Page-2 Part -I

A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'NO'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished [e.g. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity and house rent and all other cash allowances excepting value of perquisites and profits in lieu of salary]. Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 15 & 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier year(s) as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.
3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).

4. Add the value of perquisites (other than those mentioned in column 2) and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s). If the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be:

- (i) Free or concessional accommodation—Section 17(2)(i) and (ii)
 - (ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii):
 - (a) Conveyance—rule 3(c)
 - (b) Gas, electricity, water—rule 3(d)
 - (c) Domestic or personal services
 - (d) Personal travelling
 - (e) Any other item (Give details)
 - (iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(l) and (v).
5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate(s).
6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately e.g.:
- Standard deduction : A sum equal to 33-1/3% of the salary, or twelve thousand rupees, whichever is less, is allowed in computing income under the head 'Salaries'.
 - Entertainment allowance—Section 16(ii)
 - Tax on Employment—Section 16(iii)
7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.
8. Indicate here the income chargeable under the head "SALARIES".

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property, please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.
2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Ycs' or 'No', as the case may be.
3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each property using the columns indicated here.
4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here, such as:
 - (a) Municipal Taxes: Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.
 - (b) New construction allowance. The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).
 - (c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately along with the amount claimed deductible thereunder

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.

6. Indicate here the balance (i.e. 3-5).
7. Indicate here the deduction(s) claimed U/s 24 (specifying each item separately), such as:
 - (i) Repairs—The assessee is entitled to one-sixth of the annual value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i).
 - (ii) Insurance—Section 24(1)(ii)
 - (iii) Annual Charge—Section 24(1)(iv)
 - (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
 - (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
 - (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
 - (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the annual value whichever is less)—Section 24(1)(viii)
 - (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
 - (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)
8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.
9. The income chargeable under the head “INCOME FROM HOUSE PROPERTY” (i.e. 6-8) is to be indicated here.

Page-3

C. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short-term and long-term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short term/long term assets, separate computation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
2. Indicate here the date of acquisition of the asset by the assessee.
3. Give here the date on which the asset has been transferred.
4. Please indicate in months the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
5. Please indicate which of the following modes of transfer is involved:
 - (i) the sale, exchange or relinquishment of the asset; or
 - (ii) the extinguishment of any rights therein; or
 - (iii) the compulsory acquisition thereof under any law; or
 - (iv) in a case where the asset is converted by the owner thereof into, or is treated by him as, stock-in-trade of a business carried on by him, such conversion or treatment; or
 - (v) any transaction involving the allowing of the possession of any immovable property to be taken or retained in part performance of a contract of the nature referred to in section 53A of the Transfer of Property Act, 1882 (4 of 1882); or
 - (vi) any transaction (whether by way of becoming a member of, or acquiring shares in, a co-operative society, company or other association of persons or by way of any agreement or any arrangement or in any other manner whatsoever) which has the effect of transferring, or enabling the enjoyment of, any immovable property.

In case of compulsory acquisition, please mention on a separate sheet the Act under which the said acquisition has been made as also the dates of Notification and Possession of the property by the concerned Authority.
6. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.

7. Please indicate here:
- Cost of Acquisition: It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).
 - Cost of Improvement: It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in improving the asset—Section 55(1)(b).
 - Cost of transfer: It is the cost in connection with the transfer of the asset—Section 48(1)(a)(i).
8. The sum total of deductions of 7 is to be indicated here.
9. Indicate here the balance amount (6-8). If this results in a loss, indicate it by a minus(—) symbol.
10. Other deductions: The deductions admissible against short-term and long-term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). If the balance at 9 in relation to any long-term capital asset is a loss, the amount of such loss should be arrived at in accordance with the provisions of Section 48 (3).
- The admissible deductions are:
- Short-term capital gains:
 - Amount exempt under section 54B(1), 54D(1) or 54G(1).
 - Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2), or 54G(2).
 - Long-term capital gains:
 - Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1), or 54G(1).
 - Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2).
 - Under Section 48(2).
11. Please indicate here the balance amount (9-10) If the balance of 9 is a loss, the same should be repeated here.
12. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' (other than U/s 50) should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)/(3)/(4)/(5), 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
13. The total amount of deemed capital gains (other than U/S 50) is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short term and long term assets.
14. Indicate here the net result of 11 and 13 separately for short term and long term capital gains.
15. Indicate here the Short Term Capital Gains U/S 50. The relevant details thereof should be mentioned on a separate sheet and attached to the Return.
16. The periodwise amount(s) of Short-term Capital Gains U/S 50, Other Short-term and Long-term Capital Gains/Losses under the head "CAPITAL GAINS" should be indicated in the inner columns and the aggregate amount of these in the Grand Total.

D. INCOME FROM OTHER SOURCES:

- Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information:
 - name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividend; (iv) tax deducted at source.

If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.

Please attach dividend warrants and other supporting evidence.

- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.
 - (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, crossword puzzles and raffles, etc. and attach supporting evidence. Please attach separate computation if there are two or more items.
 - (d) Indicate here the income from machinery, plant or furniture let on hire and also such income from building where its letting is inseparable from the letting of the said machinery, plant or furniture if it is not chargeable to Income-tax under the head "Profits and gains of Business or Profession".
 - (e) Specify other incomes chargeable under the head "Income from Other Sources".
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
 3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.
 4. The total of deductions claimed should be indicated here.
 5. The income chargeable under the head 'INCOME FROM OTHER SOURCES' is to be given here.

Page-4

E. UNABSORBED LOSSES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS

1. Give here details of unabsorbed losses under the heads 'Capital gains' and 'Income from other Sources'. Relevant provisions are contained in sections 74 and 74A of the Income-tax Act.

If the space provided is found insufficient, give the details on a separate sheet using the columns indicated here and attach that to the Return.

F. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to D. These should be same as shown against items A.8 and B. 9 at page 2, items C. 16 and D. 5 at page 3 respectively.
2. The sum total of A to D should be indicated here.
3. Indicate here the unabsorbed Losses brought forward from preceding assessment years as claimed in item E. at page 4 of the Return to be set off against current year's income.
4. The Gross Total Income chargeable to tax (2-3) is to be given here.
5.
 - I. The deduction(s) which the assessee wants to claim under Chapter VI-A should be indicated here.
 - II. Please give the itemwise gross amount of payment/contribution, the qualifying amount and the net amount deductible. If the space provided is insufficient, give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.
 - III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to:

- (i) Deposits under the National Savings Scheme, 1987 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @100% subject to the ceiling of Rs. 40,000/ (Section 80CCA)
- (ii) Investment made under Equity Linked Savings Scheme. This is deductible @100% subject to the ceiling of Rs. 10,000 (Section 80CCB)

- (iii) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling is Rs. 3,000/- in respect of premium paid for Medical insurance. (Section 80D)
 - (iv) Deduction in respect of expenditure incurred for medical treatment etc. of handicapped dependant(s). The ceiling is Rs. 600/- (Section 80DD)
 - (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate of the sums exceeds Rs. 250/-. The over all ceiling is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
 - (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs. 1000/- p.m. or 25% of total income, whichever is less. (Section 80GG).
 - (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources or any sum paid for afforestation is available at 100% under Section 80GGA.
 - (viii) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits on shares, units etc. is eligible for deduction upto over all ceiling of Rs. 13,000/- (Section 80L)
 - (ix) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions. (Section 80-P)
 - (x) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80R)
 - (xi) Remuneration received for services rendered outside India—The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RRA)
 - (xii) Deduction of Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U)
6. The Total Income chargeable to tax (4—5) is to be given here.
 7. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
 8. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
 9. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
 10. Give here the name and relationship of such other person(s).
 11. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc. or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provisions of the Act.

Page-5 PART-II

STATEMENT OF TAXES

1. The total tax payable on the total income is to be given here.
2. Indicate here—

(a) rebate claimed U/Ss 88 and 88A. These are:

- I. Section 87 of the Act envisages that in computing the amount of Income-tax on the total income of an assessee with which he is chargeable for any assessment year, there shall be allowed from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII), in accordance with and subject to the provisions of sections 88 and 88A, the deductions specified in those sections.

It further provides that the aggregate amount of the deductions under section 88 or section 88A shall not, in any case, exceed the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on the total income of the assessee with which he is chargeable for any assessment year.

- II. Provisions of Section 88 and 88A are applicable to a assessee, being—

- (a) an individual, or
- (b) a Hindu undivided family, or
- (c) an association of persons or a body of individuals consisting in either case, only of husband and wife governed by the system of community of property in force in the State of Goa and the Union territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu.

U/S 88 : Under this section, an assessee shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20% of the aggregate of sums referred to in sub-section (2) thereof.

These sums are—

Payments towards life insurance premium, provident fund contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government, Bank etc. for purchase/construction of residential house property. Overall ceiling on qualifying amounts are Rupees 70,000/- in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete) and Rs. 50,000/- in the case of an Individual or a Hindu undivided family or an Association of Persons or a Body of Individuals.

Total of Rebate claimed U/S 88 should be indicated in item 2.(a) (i) Total.

U/S 88A : Under this section, an assessee who has acquired certain new shares or units in the previous year out of his income chargeable to tax shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20% of the cost of such shares or units to such assessee.

These shares and units are —

- (i) equity shares forming part of any eligible issue of capital; or
- (ii) units issued under any scheme of any Mutual Fund specified under clause (23D) of section 10 or of the Unit Trust of India, established under section 3 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), if the amount of subscription to such units is subscribed, within a period of six months from the close of subscription under such scheme, only to eligible issue of capital.

Maximum qualifying amount in relation to which an assessee can claim rebate under this section is Rs. 25,000/-.

Total of Rebate claimed U/S 88A should be indicated in item 2. (a) (ii) Total.

Total of amounts at 2. (a) (i) and 2.(a)(ii) should be indicated in item 2.(a)(iii).

(b) relief under Section 89(1) Please attach the details.

Total of amounts of 2.(a) and (b) may please be indicated in the outer column Total.

3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1—2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or deferment of advance tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (A) advance tax instalments and (B) tax deducted/collected at source in the respective columns. Tax collected at source under section 206C may be indicated against 'any other income'.
7. Give details of the tax and interest paid on self-assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of Tax/Interest paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The Tax/Interest payable or refund due, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus(—) symbol.

Page-6 Part-III

INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Income claimed exempt should be indicated here. For an item of income claimed exempt please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

Part-IV

LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.

VERIFICATION

Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated. Please attach the document of power of attorney alongwith the return, wherever, necessary.

[No. 8868/F.N. 142/1/91-TPL
SUNIL CHOPRA, Director (TPL)]

